राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–26| अंक–11| मई–जून, 2026 (संयुक्तांक)| कुल पृष्ठ–32| मूल्य–₹ 15

माननीय शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर की प्रेरणा से कोटा जिले में प्रवेशोत्सव अभियान ने पकड़ी रफ्तार; भारत स्काउट व गाइड एवं शिक्षा विभाग कर्मचारीगण सहकारी सभा 696 कोटा–बारां की टीम ने घर–घर पहुँचकर शिक्षा की अलख जगाने और सरकारी विद्यालयों में प्रवेश के लिए लोगों को जागृत करने का संकल्प लिया

राज्य मुख्य आयुक्त द्वारा निरीक्षण की झलकियाँ

आबू में शिविरार्थियों को अनुशासन और नेतृत्व का संदेश देते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य तथा राज्य आयुक्त श्री आर.पी. सिंह सिरोही जिले पर नव-निर्मित हट्स व हॉल का निरीक्षण करते हुए, साथ में हैं स्थानीय पदाधिकारी

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य द्वारा बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर वृक्षारोपण का दृश्य, साथ में राज्य आयुक्त श्री आर.पी. सिंह एवं स्थानीय स्काउटर गाइडर तथा उदयपुर जिले की विज़िट के दौरान स्काउटर गाइडर से वार्ता करते हुए श्री निरंजन आर्य

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य आयुक्त श्री आर.पी. सिंह सलुम्बर जिले के स्थानीय संघ सलुम्बर द्वारा रा.उ.मा.विद्यालय सेरिया द्वारा बनाई गई इको क्लब वाटिका का अवलोकन करते हुए, साथ में हैं स्थानीय पदाधिकारी

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 11
मई–जून, 2026 (संयुक्तांक)

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
●	**दिशाबोध**	**4**
●	**संपादकीय**	**4**
●	सिरोही में सम्मान और प्रेरणा का उत्सव	5
●	आबू में गूंजा अनुशासन और नेतृत्व का संदेश	6
●	बांसवाड़ा में स्काउटिंग को नई दिशा	7
●	राष्ट्र स्तरीय अगनोरी–2026	8
●	29वां राष्ट्रीय युवा संसद सत्र–2026	9
●	आपदा से बचने–बचाने का प्रशिक्षण	10
●	निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर	10
●	रात्रिकालीन जल सेवा प्रारम्भ तथा योग शिविर एवं साहसिक गतिविधि	11
●	गतिविधि दर्पण	12
●	हमारा स्वास्थ्य : आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने के 5 नियम	17
●	पर्यटन स्थल : 200 वर्षो से वीरान : कुलधारा	19
●	हमारे महापुरुष : राजा राम मोहन राय	20
●	पर्यावरण प्रदूषण से बदलता पशु–पक्षियों का व्यवहार	22
●	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर वार्षिक कार्यक्रम 2026–27	24
●	**दक्षता पदक**	29
●	**गतिविधि पञ्चांग**	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

परंपरा में नवाचार : स्काउट-गाइड आंदोलन की नई ऊर्जा

नीले आकाश की तरह विस्तृत और समावेशी स्काउट–गाइड आंदोलन ने पिछले एक शताब्दी से अधिक समय में सेवा, अनुशासन और नेतृत्व की एक अद्भुत मिसाल कायम की है। वर्दीधारी स्काउट्स और गाइड्स केवल एक संगठन के सदस्य नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, समर्पण और जिम्मेदारी के प्रतीक माने जाते हैं। वर्ष 1909 में भारत में इसकी नींव रखी गई और आज यह आंदोलन देश के कोने–कोने में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा चुका है। राजस्थान में तो इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहाँ 1950 में मात्र 31,744 सदस्य थे, वहीं आज यह संख्या 19 लाख के पार पहुँच चुकी है, यह वृद्धि इसकी जीवंतता और प्रभावशीलता का प्रमाण है।

राजस्थान की स्काउटिंग परंपराएँ हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता और समर्पण की देन हैं। लेकिन केवल परंपराओं को संजोए रखना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनमें समयानुकूल नवाचार भी उतना ही आवश्यक है। आज के बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में स्काउट–गाइड गतिविधियों को और अधिक प्रासंगिक, आकर्षक और उपयोगी बनाने की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी इससे और अधिक जुड़ सके।

यह समय है जब विद्यालयों को केवल शिक्षा का केंद्र न मानकर व्यक्तित्व निर्माण के सशक्त मंच के रूप में विकसित किया जाए। जिन विद्यालयों में अब तक स्काउट–गाइड इकाइयों का गठन नहीं हुआ है, वहाँ यह पहल प्राथमिकता से की जानी चाहिए। इससे विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व और सेवा के वास्तविक अनुभव प्राप्त होंगे।

शिक्षक, जो राष्ट्र के सच्चे शिल्पकार हैं, इस आंदोलन के प्राण हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी से ही स्काउटिंग की भावना जीवंत रहती है। वर्तमान मानसून ऋतु इस दिशा में एक सुनहरा अवसर लेकर आई है–प्रत्येक स्काउट और गाइड यदि एक–एक पौधा भी रोपित करे, तो यह छोटा–सा प्रयास एक बड़े पर्यावरणीय अभियान का रूप ले सकता है।

निष्कर्षतः, स्काउट–गाइड आंदोलन केवल अतीत की गौरवगाथा नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की आशा है–जहाँ परंपरा और नवीनता मिलकर एक बेहतर समाज की नींव रखते हैं।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

माह के दौरान विभिन्न स्थानों पर आयोजित स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविरों ने युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक पहल प्रस्तुत की है। ऐसे शिविर केवल औपचारिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहते, बल्कि इनसे अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुणों का व्यावहारिक विकास होता है।

इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने वाले स्काउट्स एवं गाइड्स ने न केवल शारीरिक दक्षता को मजबूत किया, बल्कि टीमवर्क, समय प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की कला भी सीखी। प्रकृति के बीच आयोजित गतिविधियाँ–जैसे ट्रैकिंग, कैंपिंग, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण और सामुदायिक सेवा ने प्रतिभागियों में आत्मविश्वास और साहस का संचार किया। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि इन शिविरों में "सेवा ही सर्वोपरि" के सिद्धांत को व्यवहार में उतारने पर जोर दिया गया। स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने जैसे प्रयासों ने प्रतिभागियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

हालाँकि, यह भी आवश्यक है कि ऐसे शिविरों की गुणवत्ता और व्यापकता को और बढ़ाया जाए। अधिक से अधिक विद्यालयों और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ–साथ आधुनिक कौशल–जैसे आपदा प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता और जीवन कौशल को भी प्रशिक्षण का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। यह पहल निरंतर जारी रहनी चाहिए, ताकि देश को सशक्त, अनुशासित और संवेदनशील युवा मिल सकें।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

सिरोही में सम्मान और प्रेरणा का उत्सव

निरंजन आर्य ने संभागियों को किया प्रेरित

स्काउट-गाइड गतिविधियों ने दिखाया सेवा, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के सिरोही जिला मुख्यालय में 20 अप्रेल का दिन उत्साह, गौरव और प्रेरणा से भरपूर रहा, जब भारत स्काउट गाइड द्वारा जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर एवं गोल्डन ऐरो कब–बुलबुल अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं को दिशा देने वाला प्रेरणादायी मंच भी बना।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के स्टेट चीफ कमिश्नर एवं पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य थे, जबकि अध्यक्षता स्टेट कमिश्नर एवं पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर.पी. सिंह ने की। दोनों अतिथियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया।

समारोह में जब निरंजन आर्य ने मंच संभाला, तो उनका संबोधन केवल औपचारिक नहीं, बल्कि मार्गदर्शन से परिपूर्ण था। उन्होंने सिरोही जिले में पर्यावरण के प्रति जागरूकता की सराहना करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे वृक्षारोपण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उनके शब्दों में स्पष्ट संदेश था– "आज के स्काउट–गाइड ही कल के जिम्मेदार नागरिक हैं।"

उन्होंने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आगे बढ़ते हुए राष्ट्रपति अवार्ड की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

अध्यक्ष आर.पी. सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही उनका स्काउट–गाइड से प्रत्यक्ष जुड़ाव नहीं रहा, लेकिन सिरोही मुख्यालय की हरियाली और अनुशासित व्यवस्थाओं ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। यह टिप्पणी स्वयं में स्काउट–गाइड गतिविधियों की सफलता का प्रमाण थी।

समारोह की शुरुआत पारंपरिक अंदाज में हुई–मुख्य द्वार पर अतिथियों का बधावा, तिलक और गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों को स्कार्फ, साफा और सिरोही की प्रसिद्ध ढाल–तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया, जो स्थानीय संस्कृति और गौरव का प्रतीक है।

कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण क्षण वह रहा, जब राज्य पुरस्कार एवं गोल्डन ऐरो अवार्ड के प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर और कब–बुलबुल को सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनकी उपलब्धियों की पहचान था, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक मजबूत कदम भी।

सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने जिले में संचालित गतिविधियों और विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि स्काउट–गाइड संगठन निरंतर युवाओं के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक चेतना के लिए कार्य कर रहा है। मुख्य अतिथि ने जिला मुख्यालय पर हुए विकास कार्यों का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी जीवंत बना दिया। गाइड्स और रेंजर्स की प्रस्तुतियों में आत्मविश्वास और सृजनात्मकता स्पष्ट झलक रही थी।

अंत में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गणपतसिंह देवड़ा ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। समारोह में विभिन्न स्थानीय संघों के पदाधिकारी, शिक्षाविद् और बड़ी संख्या में स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर उपस्थित रहे।

यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम साबित हुआ–जहाँ सम्मान के साथ–साथ भविष्य की दिशा भी निर्धारित हुई।

विशेष

आबू में गूंजा अनुशासन और नेतृत्व का संदेश

निरंजन आर्य के निरीक्षण से युवाओं को मिला प्रेरणा का संबल

अरावली की सुरम्य वादियों में बसे माउंट आबू स्थित स्काउट–गाइड राज्य प्रशिक्षण केंद्र में अप्रेल माह में उत्साह, अनुशासन और सीखने की अद्भुत ऊर्जा देखने को मिली। पांच दिवसीय प्रेसिडेंट स्काउट एवं रोवर प्रशिक्षण शिविर के दौरान जब राज्य के स्टेट चीफ कमिश्नर एवं पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य और स्टेट कमिश्नर एवं पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर.पी. सिंह ने औचक निरीक्षण किया, तो शिविर का वातावरण और भी प्रेरणादायक बन गया।

निरीक्षण के दौरान दोनों अतिथियों ने शिविर की व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण पद्धति और प्रतिभागियों के उत्साह को करीब से देखा। स्काउट्स और रोवर्स के साथ सीधे संवाद करते हुए उन्होंने न केवल उनके अनुभव सुने, बल्कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मूल्यों की सीख भी दी।

निरंजन आर्य ने अपने विचारों में स्काउट–गाइड आंदोलन के मूल सिद्धांतों–अनुशासन, स्वावलंबन, नेतृत्व क्षमता, श्रमदान और राष्ट्रप्रेम को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत नींव रखते हैं और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर करते हैं। उनके शब्दों ने प्रतिभागियों में नया आत्मविश्वास और उत्साह भर दिया।

वहीं आर.पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शिविर में सीखी गई बातें केवल कुछ दिनों तक सीमित न रहें, बल्कि जीवनभर के लिए मार्गदर्शक बनें। उन्होंने युवाओं को निरंतर आत्मविकास और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

शिविर में प्रशिक्षण की गुणवत्ता और गतिविधियों की सराहना करते हुए अतिथियों ने प्रशिक्षकों के प्रयासों को भी सराहा। सी.ओ. स्काउट जितेंद्र भाटी के अनुसार, शिविर में विभिन्न जिलों से अनुभवी प्रशिक्षकों और पदाधिकारियों ने भाग लिया, जिनके

मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को व्यावहारिक और जीवनोपयोगी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

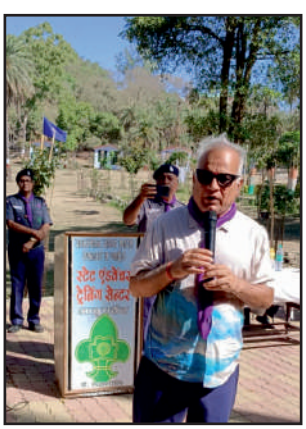

इस अवसर पर शिविर संचालक एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त कोटा दिलीप माथुर, जयपुर के लीडर ट्रेनर अभय सिंह शेखावत, नागौर के लीडर ट्रेनर शैलेश फलोड, कोटा के रूपचंद शर्मा, श्यामलाल गुप्ता, रोवर लीडर संचालक मनोज शर्मा तथा सी. ओ. स्काउट झुंझुनूं महेश कालावत सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया।

माउंट आबू की शांत वादियों में आयोजित यह प्रशिक्षण शिविर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानने और उन्हें सही दिशा देने का सशक्त माध्यम बनकर उभरा, जहाँ हर गतिविधि के साथ एक नई सीख और हर पल के साथ एक नई प्रेरणा जुड़ी हुई थी।

विशेष

बांसवाड़ा में स्काउटिंग को नई दिशा

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने सक्रियता, अनुशासन और विस्तार पर दिया जोर

राजस्थान के जनजातीय अंचल बांसवाड़ा में स्काउटिंग गतिविधियों को नई ऊर्जा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली, जब राज्य मुख्यालय जयपुर से स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य एवं स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह ने जिला मुख्यालय पर स्काउटिंग से जुड़ी व्यापक बैठक ली। यह बैठक केवल औपचारिक चर्चा नहीं, बल्कि संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने का एक सशक्त प्रयास बनकर उभरी।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक गरिमा के साथ हुई, जहाँ अतिथियों का स्कार्फ और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद बैठक में जिले के स्काउटर–गाइडर, विभिन्न पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित जनों ने सहभागिता निभाई।

अपने प्रेरक संबोधन में निरंजन आर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि स्काउटिंग केवल विद्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि हर गली–मोहल्ले और दूरस्थ क्षेत्रों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निष्क्रिय ग्रुपों को पुनः सक्रिय करने, विद्यालयों का नियमित भ्रमण करने और बच्चों को स्काउटिंग से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उनके अनुसार, स्काउटिंग के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है–जहाँ वे अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भाव जैसे मूल्यों को व्यवहार में उतारते हैं।

उन्होंने यह भी आह्वान किया कि अधिक से अधिक स्काउट्स–गाइड्स को राज्य पुरस्कार से आगे बढ़ाकर राष्ट्रपति अवार्ड तक पहुंचाया जाए। बांसवाड़ा जैसे दूरस्थ जिले में भी बेहतर स्काउटिंग गतिविधियों के संचालन पर उन्होंने संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की।

वहीं स्टेट कमिश्नर आर. पी. सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्व–अनुशासन की नींव स्काउटिंग जैसी गतिविधियों से ही मजबूत होती है। उन्होंने इसे व्यक्तित्व निर्माण का आधार बताते हुए युवाओं को इन गतिविधियों से अधिकाधिक जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जंबूरी में भाग लेकर लौटे रोवर्स एवं रेंजर्स का सम्मान भी किया गया, जिसने कार्यक्रम में गर्व और उत्साह का माहौल बना दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया गया, जबकि शाब्दिक स्वागत जयदीप पुरोहित ने और आभार निमेष मेहता ने व्यक्त किया। बैठक में जिले के जिला उपाध्यक्ष निमेश मेहता, मनोज माथुर, ललित कलाल, पवन सराफ, डीइओ शफब अंजुम, सीबीईओ रघुनंदन वर्मा, एसीबीईओ किशन सिंह, एडी भरत पंड्या, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर धर्मेंद्र सिंह चारण, गणेश लाल पाटीदार, डॉ दीपिका राव, स्नेहलता मेहरा, दुर्गा शर्मा, अमिता शर्मा, शीतल पंड्या, रितेश जैन, दक्षा उपाध्याय, राजमल जैन, अनवरुद्दीन शेख, रवि चौहान, सचिव शबनम शेख, दिनेश चरपोटा, सूरजमल अहारी, नारायण प्रजापति, प्रेम प्रकाश, रमन लाल, स्काउटर गाइडर रोवर रेंजर एवं स्काउट–गाइड से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यह आयोजन केवल एक बैठक नहीं, बल्कि बांसवाड़ा में स्काउटिंग को नई दिशा देने वाला प्रेरणादायी मंच साबित हुआ–जहाँ उद्देश्य स्पष्ट था: हर क्षेत्र तक स्काउटिंग का विस्तार और हर युवा तक उसका प्रभाव।

राष्ट्रीय शिविर में सहभागिता

राष्ट्र स्तरीय अगनोरी-2026

राजस्थान के दिव्यांग विद्यार्थियों ने विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में भारत वर्ष में दिव्यांगजन स्काउट के लिए प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर का अगनोरी शिविर दिनांक 27 से 31 मार्च 2026 तक नेशनल यूथ कॉम्प्लेक्स, गदपुरी, जिला पलवल, हरियाणा में आयोजित हुआ।

चन्द्र शंकर श्रीवास्तव सी.ओ. (स्काउट), चित्तौड़गढ़ ने बताया कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अगनोरी में दिव्यांगजन स्काउट की सहभागिता के तहत विकलांग विद्यालय चंदेरिया चित्तौड़गढ़ के 7 श्रवणबाधित विद्यार्थियों ने स्काउट मास्टर राहुल व सहयोगी सांवरमल भट्ट के साथ भाग लिया। शिविर में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा नई दिल्ली के कुल 213 दिव्यांग स्काउट गाइड ने भाग लिया। राजस्थान के पांच जिले की यूनिट ने भाग लिया।

शिविर में दिव्यांग बालचरों के लिए संवेदी गतिविधि, मनोरंजक एवं साहासिक खेल, स्काउट कौशल, प्राथमिक उपचार, सांस्कृतिक एवं प्रतिभा प्रदर्शन, जीवन कौशल, योग व व्यायाम, समावेशित शिक्षा संबंधित गतिविधियां तथा हस्तकला प्रदर्शनी, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आपातकालीन स्थिति में देखभाल संबंधित प्रशिक्षण इत्यादि का आयोजन किया गया। सभी संभागियों ने बड़ी रोचकता के साथ अपनी सहभागिता की।

प्रथम बार आयोजित इस राष्ट्रीय शिविर अगनोरी में राज्य का प्रतिनिधित्व विश्वामित्र दायमा विशेष शिक्षक राउप्रावि लालपुरा राशमी द्वारा किया गया। इन्होंने राज्य प्रतिनिधित्व के साथ नेशनल स्टाफ के रूप में शिविर संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर के सफल आयोजन हेतु चित्तौड़गढ़ की दो रेंजर दिव्या मेनारिया एवं नीलू जाट ने अपनी सेवाएं प्रदान की। विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें चित्तौड़गढ़ के बधिर स्काउट्स ने सहभागिता की। सहभागिता करने वाले स्काउट्स को नेशलन हेडक्वार्टर द्वारा भोजन, आवास व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई तथा स्कार्फ, टीशर्ट, पानी की बोतल व टोपी इत्यादि स्वागत किट के रूप में दिये गये।

शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना सभा व ध्वजावतरण के साथ हुआ। शिविर के समापन अवसर पर सभागिता करने वाले स्काउट्स एवं दल प्रभारी को प्रमाण–पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सर्विस रेंजर को आभार पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया गया। स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ पर अगनोरी में जिले एवं राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले स्काउटर विश्वामित्र दायमा एवं सर्विस रेंजर का सी.ओ. स्काउट चन्द्रशंकर श्रीवास्तव एवं रोवर लीडर हेमेन्द्र कुमार सोनी द्वारा उपरणा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर सीनियर रोवर मेट पवन माली, रोनक लखारा स्काउट सांवरिया गुर्जर, निर्मल सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुझे भी कुछ कहना है

29वां राष्ट्रीय युवा संसद सत्र-2026

मनु शर्मा
रेंजर, अलवर

शुभम शर्मा
रोवर, जयपुर

स्काउट की कलम से

20 से 23 मार्च 2026 तक नागपुर में आयोजित 29वें राष्ट्रीय युवा संसद सत्र में भाग लेना हमारे जीवन का सुखद राष्ट्रीय स्तर का अनुभव था। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड का प्रतिनिधित्व करते हुए इस प्रतिष्ठित मंच का हिस्सा बनना हमारे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात रही।

यह अवसर हमारे लिए इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि यह राष्ट्रीय कार्यक्रम था, और हम पर राज्य मुख्यालय एवं राष्ट्रीय मुख्यालय दोनों ने विश्वास जताते हुए हमें इस मंच पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान किया। यह विश्वास हमारे लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत बना।

प्रथम दिवस पर पंजीकरण एवं किट वितरण के पश्चात युवा संसद की कार्यप्रणाली एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। अंतरराष्ट्रीय सत्र में वैश्विक मुद्दों पर चर्चा ने हमारी सोच को व्यापक बनाया। पूजनीय मोहन भागवत जी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के उद्बोधन ने भारतीय भाषाओं, "पंच परिवर्तन" एवं "विकसित भारत 2047" के विषय में गहन मार्गदर्शन प्रदान किया।

द्वितीय दिवस पर माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन जी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के विचारों ने मुझे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझने की प्रेरणा दी। विभिन्न सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साहित्य एवं भारतीय संस्कृति जैसे विषयों पर ज्ञानवर्धक चर्चाएं हुईं। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने देश की विविधता में एकता को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया।

तृतीय दिवस पर विभिन्न विशिष्ट अतिथियों के साथ संवाद का अवसर प्राप्त हुआ, जिसने मेरे आत्मविश्वास को और अधिक बढ़ाया। वेद, अर्थशास्त्र एवं भारतीय परंपराओं पर आधारित सत्रों ने मेरे ज्ञान को और समृद्ध किया। विशेष रूप से जम्मू–कश्मीर से आए प्रतिभागियों के साथ हमारी अच्छी बातचीत हुई, जिससे हमें उनकी संस्कृति, विचारों और अनुभवों को समझने का अवसर मिला।

चतुर्थ दिवस पर आयोजित वाद–विवाद एवं समापन समारोह इस पूरे अनुभव का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे। इस दिन हमें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जो इस सीखने की यात्रा की एक यादगार उपलब्धि रहे।

इस पूरे सत्र के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद एवं अनुभव साझा करना अत्यंत प्रेरणादायक रहा। इससे हमारे अंदर आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं मंच पर अपने विचार प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास हुआ।

हम राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड का प्रतिनिधित्व करते हुए, राष्ट्रीय मुख्यालय, राज्य मुख्यालय एवं जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हम पर विश्वास किया और हमें इस राष्ट्रीय मंच तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया।

अंत में, हम यह कहना चाहते हैं कि इस प्रकार के मंच युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यदि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड में भी "स्काउट युवा संसद" का आयोजन किया जाए, तो यह हमारे स्काउट्स एवं गाइड्स को अपने विचार व्यक्त करने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगा और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

यह अनुभव हमारे जीवन की एक नई शुरुआत है, जिसने हमें आगे बढ़ने और राष्ट्र के लिए कुछ करने की प्रेरणा दी है।

जय हिन्द!

आपदा से बचने-बचाने का प्रशिक्षण

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के समीप स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी में 7 अप्रेल को एनडीआरएफ की टीम ने स्काउट गाइड शिक्षक शिक्षिकाओं व सामान्य छात्र–छात्राओं को विशेष आपदा का प्रशिक्षण दिया। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य कोशल चन्द्र सनाढय ने बताया कि जिला कलक्टर राजसमन्द अरूण कुमार हसीजा के आदेशानुसार एनडीएमए के निर्देशानुसार एनडीआरएफ टीम का परिचय एवं आपदा आधारित जन जागरूकता अभियान हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक एवं स्काउटर धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि टीम कमाण्डर अमित कुमार जाखड 06 वी वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एसडीआरएफ उदयपुर राजस्थान किशनगढ अजमेर और उनकी टीम ने घटना दुर्घटना या विशेष आपदा की स्थिति में प्रभावित जन मानस को दिये जाने वाले प्राथमिक उपचार, आगजनी होने पर उससे बचाव, सर्प के काटने पर प्राथमिक उपचार, अग्नि समन्वय यन्त्र का उपयोग व सावधानी आदि का विशेष प्रशिक्षण के साथ जल आपदा होने पर उससे अपने आप को व अन्य जन मानस को बचाने का प्रशिक्षण दिया गया।

अनोखा ने बताया कि जन जागरूकता आपदा अभियान टीम ने एसडीआरएफ के एस.आई. रोशन लाल हेड कॉन्स्टेबल गंगाराम, कांस्टेबल शेर मोहम्मद, कन्हैयालाल, रमेश कुमार, अमर सिंह, संजय, जयदेव, सुरेश चौधरी, डी.वी.आर., भजन लाल, डीवीआर विकास, स्काउट विभाग के पूर्व जिला प्रशिक्षण आयुक्त रामचन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक ने किया। अन्त में एयर क्लेप के माध्यम से आपदा प्रबंधन की टीम का बालक–बालिकाओं ने भावभीना स्वागत अभिनंदन किया।

नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर

स्काउट तथा गाइड विद्यार्थियों ने निभाई विशेष भूमिका; लोगों को जागरूक किया तथा लोगों को शिविर में आने के लिए किया प्रेरित

उदयपुर के सिल्वर रेजिडेंसी, राठौड़ों का गुड़ा में District Blindness Control Society Udaipur (जिला अंधता नियंत्रण समिति, उदयपुर) के सहयोग से तारा संस्थान तथा विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रामगिरी द्वारा 11 अप्रैल 2026 को एक नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं समय पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया और अपनी आंखों की जांच करवाई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। आवश्यकता अनुसार कुछ मरीजों को आगे के उपचार के लिए भी निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के स्काउटर श्री राम दयाल तथा गाइडर श्रीमती वर्षा चौधरी के नेतृत्व में विद्यालय के स्काउट तथा गाइड विद्यार्थियों ने विशेष भूमिका निभाई। उन्होंने समाज में जाकर लोगों को नेत्र जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया तथा अधिक

से अधिक लोगों को शिविर में आने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों के इस प्रयास से शिविर में लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की उपप्रधानाचार्य श्रीमती कल्पना धर्मावत ने सभी सहयोगियों, चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया।

रात्रिकालीन जल सेवा प्रारम्भ

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बून्दी के तत्वावधान में मृदुल अग्रज सेवा दल द्वारा रोडवेज बस स्टैंड पर 39 वर्षों से संचालित मृदुल जल मंदिर पर यात्रियों के लिए ग्रीष्मकालीन जल सेवा, प्याऊ का भामाशाह तालेड़ा कॉलेज प्राचार्य डॉ. बृजकिशोर शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता कन्हैयालाल जसोतानी, बीना विजय के मुख्य आतिथ्य में विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोडवेज प्रबंधक घनश्याम गौड़ ने की। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अनुकृति विजय, सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर, स्थानीय संघ प्रधान चतुर्भुज महावर, सी.ओ. सुरेंद्र कुमार व मधु कुमारी विशिष्ट अतिथि रहे।

विश्व शांति व मंगल कामना के साथ शांति पाठ व कल्याण मंत्रों से विधिवत पूजन कर अतिथियों ने राहगीरों को जल पिलाया व रात्रिकालीन जल सेवा का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि शर्मा, जसोतानी व विजय ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन क्षणभंगुर है, ऐसे में हमें जितना सम्भव हो सके अपने जीवन का सदुपयोग प्राणी मात्र की सेवा में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा ही परम धर्म है, इसी दिशा में ग्रीष्मकाल में जल सेवा परम पुनीत कार्य है जिससे पुण्य लाभ के साथ आत्मिक शांति की अनुभूति होती है।

अतिथियों ने दशकों से सेवाभावी अग्रज टीम द्वारा बस स्टैंड पर की जा रही इस जल सेवा की सराहना की। रोडवेज प्रबंधक घनश्याम गौड़ ने आमजन का आव्हान किया कि वह भी इस पुनीत कार्य से जुड़कर अपनी अहम भूमिका निभाएं। डॉ विजय, दिलीप माथुर व चतुर्भुज महावर ने ग्रीष्मकाल में जल सेवा की महती आवश्यकता बताते हुए टीम द्वारा समर्पण भाव से अनवरत चलाई जा रही इस मुहीम को अनुकरणीय बताते हुए मानव सेवा का अद्वितीय उदाहरण बताया। इससे पूर्व संबल हेमराज ओढ ने रोली कुमकुम तिलक लगाकर अतिथियों का अभिनन्दन किया।

व्यवस्था से जुड़े देवप्रकाश ओझा ने बताया कि रात्रिकालीन जल सेवा द्वारा टीम सदस्य राहगीरों व यात्रियों को नियमित रूप से रात को आठ से दस बजे तक व्यक्तिगत रूप में शीतल जल सेवा प्रदान करेंगे।

अग्रज लीडर बुद्धि प्रकाश पुंडीर ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सर्वेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर अग्रज दल के ओमप्रकाश इनपतियां, नरेंद्र गौतम, सोहन सिंह शीहर, हंसराज चौधरी, आतिश वर्मा, महावीर सेन, जितेंद्र कुमार, सुबोध गर्ग, यशवंत कुमार, चतुर्भुज महावर, ओमप्रकाश शर्मा, चंद्रप्रकाश सोनी, सुखलाल चौधरी, कृष्णकांत राठौर, धीरेंद्र सिंह हाड़ा व ओम प्रकाश शर्मा व आमजन ने सहभागिता की।

आजीवन संरक्षक बनकर देंगे सहयोग

जल सेवा अभियान में अपना सहयोग प्रदान करते हुए कन्हैयालाल जसोतानी, डॉ बी.के. शर्मा व दिलीप कुमार माथुर अभियान के आजीवन संरक्षक बने। उन्होंने ग्यारह ग्यारह हजार रुपए वार्षिक आर्थिक सहायता प्रतिवर्ष देने की घोषणा की, वहीं वर्धन विजय ने निर्बाध जल सेवा हेतु अनवरत वाटर कूलर की उपलब्धता व मरम्मत का सहयोग प्रदान किया।

योग शिविर एवं साहसिक गतिविधि

भारत स्काउट व गाइड, स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र, आबू पर्वत के तत्वावधान में तथा पतंजलि योगपीठ परिवार हरियाणा के सहयोग से योग शिविर एवं साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और साहसिक भावना का विकास करना रहा।

शिविर के दौरान प्रसिद्ध योगाचार्य डॉ. संजय कुमार, ईश कुमार आर्य (राज्य भारत स्वाभिमान ट्रस्ट), चंद्रपाल योगी (राज्य प्रभारी, पतंजलि योग समिति) एवं सुरेंद्र पाल बडेसरा (मंडल प्रभारी) ने प्रतिभागियों को योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली के बारे में विस्तृत जानकारी की। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को योग के माध्यम से निरोग रहने के सरल एवं प्रभावी उपाय सिखाए गए। इसके साथ ही शिविर में पदयात्रा, रस्सी संबंधी गतिविधियां, खेलकूद एवं अन्य साहसिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

इन गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं सहयोग की भावना का विकास करना लक्ष्य था। आयोजकों के अनुसार यह शिविर युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और उन्हें स्वस्थ, अनुशासित एवं आत्मनिर्भर जीवन की ओर प्रेरित करेगा।

गतिविधि दर्पण

मण्डल, जिला, स्थानीय संघ एवं यूनिट स्तर पर की गई गतिविधियों, शिविरों, रैलियों इत्यादि का संक्षिप्त विवरण

बीकानेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बीकानेर के पदाधिकारी एवं अधिकारियों ने 09 अप्रेल को जिला कलक्टर श्री निशांत जैन एवं जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा से

शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया। स्काउट अधिकारियों ने जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक महोदय को स्काउट गाइड गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त स्काउट एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार शर्मा, जिला सचिव तरुण कुमार गौड, सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट रामजस लिखाला एवं सी.ओ. स्काउट जसवंतसिंह राजपुरोहित उपस्थित थे।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर में विभिन्न स्थानों पर स्काउट गाइड ग्रुपों द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गीत कविता, जन चेतना रैली, भाषण, पोस्टर, निबंध, नारा लेखन सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर पर बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट ने स्काउट गाइड, रोवर रेंजर सदस्यों को स्वच्छता संबंधी जानकारियां प्रदान की। हाथ धोने के तरीकों के बारे में बताया।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय छावनी में संस्था प्रधान व गाइड कैप्टन अरुण शर्मा के मार्गदर्शन में गाइड्स व इको क्लब सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य विषय पर पोस्टर ने कविता, भाषण, निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की जानकारी दी नशा करने से होने वाले हानियों के बारे में विस्तार से बताया।

राउमावि सिहोट बड़ी में स्थानीय सघ धोद व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जिला मुख्यालय सीकर के निर्देशानुसार प्रधानाचार्य मुन्नी कुमारी के निर्देशन में इस वर्ष की थीम स्वास्थ्य सभी के लिए। मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार। के अनुसार इको क्लब प्रभारी एवं स्काउट मास्टर बाबूलाल मीना ने एक कार्यशाला का आयोजन करवाते हुए निबंध लेखन, स्लोगन व चित्र कला सहित अनेक गतिविधियों का आयोजन करवाया। कार्यशाला में व्याख्याता दिलीप सिंह, कंप्यूटर साइंस के अध्यापक हेमंत शर्मा, व्याख्याता मुकेश कुमार, बीरबल सिंह, तेजाराम, ओमप्रकाश सुमन राहर, राजवीर सिंह, जोगेन्दर सिंह सहित समस्त स्टाफ व बालक बालिकाएं उपस्थित रहे।

❖ राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर के करीब 150 से अधिक स्काउट गाइड, रोवर रेंजर व स्काउट गाइड पदाधिकारी ने बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर के मार्गदर्शन में डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के

राज्य स्तरीय समारोह भवानी निकेतन स्कूल जयपुर पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल जी शर्मा के मुख्य अतिथि में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। जिले के पवन कुमार शर्मा, दिलीप तिवारी पूर्व सचिव नीम का थाना, कैलाश चंद्र शर्मा ट्रेनिंग काउंसलर नीमकाथाना, राजेश कुमार बायला ट्रेनिंग काउंसलर नीमकाथाना ने भी भाग लिया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, सीकर के सदस्यों ने डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया एवं क्विज प्रतियोगिता भाषण संगोष्ठी का आयोजन किया। जिला कलक्टर सीकर आशीष मोदी, रतनलाल स्वामी अतिरिक्त जिला कलक्टर सीकर, राजपाल सिंह यादव सीईओ जिला परिषद सीकर,

प्रियंका पारीक सहायक निदेशक समाज कल्याण एवं अधिकारिता विभाग सीकर के आतिथ्य में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्काउट गाइड सदस्य एवं अन्य गणमान्य अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के सर्कल ऑर्गेनाइजर स्काउट व गाइड ने जिला कलक्टर दौसा श्रीमती डॉ. सौम्या झा से शिष्टाचार भेंट कर स्काउट परंपरा अनुसार स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर स्काउंटिंग कार्य की प्रशंसा करते हुए जानकारी ली और स्काउटिंग को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। सी.ओ. स्काउट व गाइड ने गत वर्ष 2025–26 में तृतीय सोपान एवं राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड, रोवर रेंजर की गुणात्मक वृद्धि

से अवगत करवाते हुए विश्वास जताया कि आगामी सत्र 2026–27 में अधिक से अधिक योग्यता वृद्धि करेंगे और दौसा जिले की स्काउटिंग को नई गति देंगे।

जोधपुर मण्डल

❖ माउंट आबू स्थित स्काउट–गाइड राज्य प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित पांच दिवसीय प्रेसिडेंट अवॉर्ड स्काउट एवं रोवर प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन स्काउट्स एवं रोवर्स को पाठ्यक्रम से संबंधित विभिन्न दक्षता बैज का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान झुंझुनू के सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने आपदा प्रबंधन बैज के अंतर्गत प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने विभिन्न आपदा उपकरणों, औजारों एवं आवश्यक संसाधनों के उपयोग की जानकारी देते हुए बताया कि आपात स्थिति में स्काउट्स–गाइड्स आमजन को प्रभावी सहायता प्रदान कर सकें। दक्ष प्रशिक्षक रघुवीर सिंह ने एंबुलेंस मैन बैज के अंतर्गत

प्राथमिक चिकित्सा के नियमों की जानकारी देते हुए पट्टियां बांधना, स्लिंग, मुख से मुख श्वसन, सीपीआर एवं अन्य प्राथमिक उपचार विधियों का प्रशिक्षण दिया। सहायक लीडर ट्रेनर मनोज शर्मा ने रक्तदाता बैज की जानकारी देते हुए रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा एड्स जागरूकता से संबंधित आवश्यक जानकारियां साझा की। सी.ओ. स्काउट आबू पर्वत जितेंद्र भाटी ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये स्काउट्स एवं रोवर्स अपने–अपने जिलों में "आपदा मित्र" के रूप में कार्य करते हुए आमजन एवं प्रशासन का सहयोग करेंगे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय बिगिनर्स कोर्स भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही पर आयोजित किया गया। भबुता राम मेघवाल मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिरोही एवं राजेन्द्र कुमार पुरोहित सहायक निदेशक बाल कल्याण विभाग के सान्निध्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने उपस्थित अध्यापक अध्यापिकाओं को कहा कि स्काउट गाइड की गतिविधियाँ विद्यालयों में चलाने के लिए इस बिगिनर्स कोर्स में जो अध्यापक अध्यापिकाएँ सम्मिलित हुए

हैं उनको 7 दिवसीय आवासीय स्काउट गाइड बेसिक कोर्स में अनिवार्यतः सम्मिलित होना है और विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधियाँ संचालित करेंगे। राजेंद्र कुमार पुरोहित ने कहा कि विद्यालयों में स्काउट गाइड की गतिविधियां संचालित करें और छात्र छात्राओं को बाल विवाह नहीं करने हेतु जागृत करें। सी. ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने सात दिवसीय आयोजित होने वाले बेसिक यूनिट लीडर कोर्स के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बेसिक कोर्स में दिए जाने वाले प्रशिक्षण शिविर व दैनिक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर गोपाल सिंह राव स्काउटर पीएमश्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक सिरोही ने कहा की स्काउट गाइड गतिविधि से बालक बालिकाओं का सर्वांगीण विकास होता है, इसलिए विद्यालय में गतिविधि चलाना आवश्यक है। श्रीमती इन्द्रा खत्री सेवानिवृत गाइडर ने कहा कि मैंने भी विद्यालय से कई छात्राओं को राज्य पुरस्कार और राष्ट्रीय जम्बूरी में सम्मिलित कराया है। स्काउट गाइड गतिविधि से छात्र छात्राओं में अनुशासन की भावना जागृत होती है। इस जिला स्तरीय बिगिनर्स कोर्स में शिवगंज सिरोही आबूरोड एवं पिण्डवाड़ा ब्लॉक से अध्यापक अध्यापिकाएं सम्मिलित हुए।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही की ओर से 13 अप्रेल को सिरोही जिले के नव नियुक्त जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर का भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा संगठन का स्कार्फ पहनाकर, मोमेंटो और सिरोही की सुप्रसिद्ध ढाल–तलवार भेंट कर स्वागत किया गया। जिले में संचालित भारत स्काउट गाइड की विभिन्न

आयोजित गतिविधियों से भी जिला कलक्टर को अवगत कराया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा, अजय माथुर सहायक निदेशक शिक्षा विभाग, गणपतसिंह देवडा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, गोपाल सिंह राव स्काउटर, तोला राम फाचरिया स्काउटर, दिलीप कश्यप सेवानिवृत्त स्काउटर, श्रीमती इंद्रा खत्री, आरती माली, नीलम कंवर, निधि रावल, बैना कुमारी, बिशना कुमारी, सविता कुमारी, सीमा कुमारी आदि रोवर रेंजर उपस्थित थे।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में किडजी स्कूल के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सर्कल ऑर्गनाइजर स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा, गाइड सुनीता मीणा के सान्निध्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के शुभारंभ में प्रदीप चित्तौड़ा ने स्काउट संगठन के माध्यम से एक बालक बालिका किस प्रकार शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं मजबूत हो सकते हैं, की जानकारी प्रदान की। सुनीता मीणा ने बालक बालिकाओं को लॉर्ड बेडेन पॉवेल द्वारा बताए गए व्यायाम की जानकारी देते हुए बताया कि स्काउट संस्था में सभी को स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम एवं योग का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही दैनिक आहार में दिनचर्या, के छोटे–छोटे टिप्स प्रदान किए। प्रदीप चित्तौड़ा एवं सुनीता मीणा ने सभी बालक बालिकाओं को संस्कारवान बनने एवं जीवन भर नशा एवं अन्य दुर्व्यसनों से दूर रहने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर मुकेश शर्मा ने सभी बालक बालिकाओं को स्काउट गाइड संगठन से जुड़कर समाज सेवा देश सेवा में अग्रसर होने का आव्हान किया। अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम की द्वितीय श्रृंखला में रोवर रेंजर को शारीरिक मानसिक चारीत्रिक एवं आध्यात्मिक गुण से सरोकार करते हुए कहा कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन जो हर क्षेत्र में समाज सेवा सामुदायिक सेवा में अग्रणी रहता है, के लिए संगठन द्वारा युवा युवतियों को शारीरिक मानसिक चारीत्रिक आध्यात्मिक गुण अपने जीवन में उतारकर जिला, राज्य एवं देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का आव्हान किया गया। कार्यक्रम को रोवर लीडर महेश सेन, कौशल गौड़, अरविंद मीणा, हर्षिता आदि ने सहयोग कर सफल बनाया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, सुल्तानपुर (कोटा) का वार्षिक अधिवेशन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्री बृज सुंदर मीणा सी.ओ. स्काउट कोटा व अध्यक्षता श्रीमती प्रीति कुमारी सी.ओ. गाइड, विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र कुमार मीणा प्रधानाचार्य, श्री हनुमान नागर व्याख्याता अमरपुरा रहे। अतिथियों द्वारा मां शारदा का पूजन किया गया, स्काउट प्रार्थना से अधिवेशन का शुभारंभ हुआ। श्री सुरेंद्र कुमार मीणा प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। स्थानीय संघ सुल्तानपुर सचिव इन्द्र राज दाधीच ने गत वर्ष किए गए कार्यों के बारे में

बताते हुए कहा कि ब्लॉक सुल्तानपुर के 250 स्काउट गाइड ने तृतीय सोपान प्रमाण पत्र प्राप्त किए जिनमें से 148 स्काउट गाइड ने राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त किया। 18 चौमा मालियांन, 21 अमरपुरा, 26 नौताडा मालीयान, 25 बंबोरी डाबर, 13 महात्मा गांधी सुल्तानपुर, 16 मुंडला, 04 गिरधरपुरा, 13 कोटड़ा दीपसिंह, 05 पडासलियां, 07 कचनावदा विद्यालयों के स्काउट गाइड द्वारा प्राप्त किया। 4 स्काउट मास्टर ने एडवांस कोर्स, स्काउट ग्रुप बमोरी डाबर के आठ स्काउट ने ग्रुप लीडर रामचंद्र गोचर के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी लखनऊ में कोटा जिले का प्रतिनिधित्व किया। स्काउट ट्रूप कचनावदा के 10 स्काउट द्वारा राजकोट गुजरात में ब्लॉक का प्रतिनिधित्व किया। इन उपलब्धियों में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमती गायत्री मीणा का मार्गदर्शन, प्रधानाचार्य की रुचि, के.के. बिरला मेमोरियल सोसायटी व भामाशाहों का सहयोग मिलता रहा। राजकीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए स्थानीय संघ सुल्तानपुर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर प्रवेशोत्सव के तहत नामांकन रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। यूनिट लीडर की योग्यता वृद्धि के लिए एडवांस कोर्स प्रमाण पत्र प्राप्त अध्यापकों को हिमालय वुडबैज कोर्स माउंट आबू में करवाया जाएगा, ब्लॉक के सभी सीनियर विद्यालय में तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर इस वर्ष आयोजित किए जाएंगे, गांव के हर विद्यालय में स्काउटिंग गतिविधियां चलाने का निर्णय लिया गया है। मुख्य अतिथि श्री बृज सुंदर मीणा ने कहा की स्काउटिंग बालको में खेल–खेल में समाज सेवा, ईश्वर के प्रति प्रेम, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य व संस्कार की भावना विकसित करती है, प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, पायनियरिंग, एडवेंचर, हाइक के माध्यम से राष्ट्र के लिए ऊर्जावान नागरिक तैयार करती है। वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए प्रीति शर्मा ने कहा कि ब्लॉक सुल्तानपुर की स्काउट गतिविधियां कोटा जिले में सर्वश्रेष्ठ है। जल्द ही ग्रामीण क्षेत्र में जनसहभागिता के साथ स्काउट भावना को घर–घर तक पहुंचाया जाएगा। श्री हनुमान नागर द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह का आकस्मिक विजिट रहा। राज्य मुख्य आयुक्त ने जिला मुख्यालय पर समस्त गतिविधियों एवं जिले की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। साथ ही साथ जिले के स्काउटर गाइडर से स्थानीय समस्याओं के बारे में सुना और उनके निस्तारण

बताए। साथ ही जिले में विशेष तरह की जनजातीय गतिविधि आयोजन करने और अधिक से अधिक विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियों के संचालन हेतु निर्देश प्रदान किये।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ द्वारा नवनियुक्त जिला कलक्टर डॉ. मंजू चौधरी का स्कार्फ व उपरना पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ मंजू चौधरी ने कहा कि स्काउट गाइड गतिविधियों से विद्यार्थियों में अनुशासन, भाईचारा,

कौशल विकास, समाजसेवा व देशप्रेम जैसे गुणों का विकास होता है। चन्द्रशंकर श्रीवास्तव सी.ओ. (स्काउट) ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में नवनियुक्त जिला कलक्टर डॉ. मंजू चौधरी का मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला मुख्य आयुक्त (स्काउट) चित्तौड़गढ़ प्रमोद कुमार दशोरा व चन्द्र शंकर श्रीवास्तव सी.ओ. (स्काउट) ने उपरना पहनाकर एवं गाइडर शीला दशोरा, इफ्फत बानो व प्राची श्रीवास्तव ने स्काउट संगठन के प्रतीक स्कार्फ व वॉगल पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू.अ.) रामचन्द्र खटीक, वरिष्ठ स्काउटर अखिलेश श्रीवास्तव, स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ सचिव पंकज दशोरा, गोवर्धन लाल आचार्य, जितेश श्रीवास्तव, हर्षित पुरोहित, गाइडर कविता मेनारिया, अलका वैष्णव, नेहा धाकड़, स्काउट भगत भूल, निर्मल सिंह तंवर, गाइड राजलक्ष्मी चौहान, कोमल कुंवर, कृतिका गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में बी.पी. पार्क, किला रोड, चित्तौड़गढ पर 25 से 29 मार्च 2026 तक राष्ट्रपति एवं राज्यपाल अवार्ड स्काउट गाइड व रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर एवं 25 से 31 मार्च 2026 तक स्काउट व कब यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया। दोनों शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना सभा के बाद ध्वजावतरण के साथ किया गया। चन्द्र शंकर श्रीवास्तव सी.ओ. (स्काउट) ने बताया कि जिला स्तर पर स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर की योग्यता वृद्धि हेतु जिला स्तरीय राष्ट्रपति एवं राज्यपाल अवार्ड स्काउट गाइड व रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर एवं विद्यालयों में स्काउट व कब गतिविधि संचालन हेतु प्रभारियों के लिये कब व स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति एवं राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में 150 स्काउट गाइड व रोवर रेंजर एवं बेसिक कोर्स में 27 अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत संभागियों को स्काउट आन्दोलन की जानकारी, बी.पी. की जीवनी, स्काउट गाइड नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डागीत, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, एवं प्राथमिक उपचार, गांठे व बंधन, शिविर कला, मानचित्र ज्ञान, अनुशासन, मार्चपास्ट, योग और व्यायाम, समाज सेवा के बारे में बताया गया। इस अवसर पर शिविर संचालक स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स इन्द्र लाल आमेटा, शिविर संचालक कब मास्टर बेसिक कोर्स ललित बरण्डा, शिविर संचालक राष्ट्रपति एवं राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर चतर सिंह, सत्य नारायण सोमानी, अखिलेश श्रीवास्तव, सत्यनारायण शर्मा, प्रेम प्रकाश मीणा, सीनियर रोवर मेट पवन माली आदि उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में बी.पी. पार्क, किला रोड, चित्तौड़गढ पर तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर का समापन 31 मार्च 2025 को सर्वधर्म प्रार्थना सभा के बाद सामुदायिक विकास कार्यशाला (सी.डी.सेमिनार) के साथ हुआ। शिविर में स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर व स्काउटर, गाइडर सहित कुल 55 संभागियों ने सहभागिता की। स्काउट गाइड रोवर रेंजर को ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, जीवन शैली (लाइफ स्टाइल) एवं प्रकृति अवलोकन व भ्रमण हेतु जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन 29 से 31 मार्च 2026 तक किया गया। शिविर के प्रथम दिन संभागियों को शिविर के उद्देश्य व गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। दोपहर बाद बस द्वारा बस्सी डैम, टूकड़ा माता व नीलिया महादेव मंदिर पर ले जाकर भ्रमण कराया गया व प्राकृतिक जानकारी प्रदान की गई। वापसी में गोबर गणेश व अंजनी माता मंदिर ले जाकर दुर्ग की तलहटी का भ्रमण कराया गया। शिविर संचालक सत्य नारायण शर्मा ने बताया कि शिविर के दूसरे दिन सीतामाता सेंचुरी पहुंचने पर रेंजर सत्यवीर सिंह चौहान व फोरेस्टर पूनम शर्मा ने संभागियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान कर ट्रेकिंग कराई। संभागियों को सीतामाता सेंचुरी के इतिहास एवं अन्य दर्शनीय स्थलों की जानकारी प्रदान की गई। स्काउट गाइड व रोवर रेंजर ने वापसी में सेवा कार्य करते हुये स्वच्छता व प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया। वापसी में संभागियों को आवरी माता व सॉवलिया सेठ के दर्शन कराकर मंदिर परिसर में कैंप फायर का आयोजन किया गया। अंतिम दिवस प्रात काल सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। अन्त में सी.डी. सेमिनार के माध्यम से स्काउट गाइड रोवर रेंजर को सामुदायिक विकास कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री व उपराष्ट्रपति अवार्ड शील्ड प्रतियोगिता की जानकारी प्रदान की गई। अन्त में ध्वजावतरण के बाद राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

हमारा स्वास्थ्य

आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने के 5 नियम

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

अपनी बात को शुरू करने से पहले मैं श्रीमद्भगवत गीता के 17 वें अध्याय के 8वें, 9वें और 10वें श्लोक को कहना चाहूँगा जो आयुर्वेद के सार को निरूपित करते हैं।

आयुः,सत्त्वबलारोग्यसुखप्रीतिविवर्धनाः।
रस्याः स्निग्धाःस्थिरा हृद्याआहाराः
सात्त्विकप्रियाः।।8।।

अर्थात– जो भोजन सात्विक व्यक्तियों को प्रिय होता है, वह आयु बढ़ाने वाला, जीवन को शुद्ध करने वाला तथा बल स्वास्थ्य, सुख तथा तृप्ति प्रदान करने वाला होता है। ऐसा भोजन रसमय, स्निग्ध, स्वास्थ्यप्रद तथा हृदय को भाने वाला होता है।

कट्वम्लवणात्युष्णतीक्ष्णरूक्षविदाहिनः।
आहारा राजसस्येष्टा दुःखशोकामयप्रदाः।।
।।9।।

अर्थात– अत्यधिक तिक्त, खट्टे, नमकीन, गरम, चटपटे, शुष्क तथा जलन उत्पन्न करने वाले भोजन रजो गुणी व्यक्तियों को प्रिय होते हैं। ऐसे भोजन दुःख, शोक तथा रोग उत्पन्न करने वाले हैं।

यातयामं गतरसं पूति पर्युषितं च यत्।
उच्छिष्टमपि चामेध्यं भोजनं तामसप्रियम् ।।
।।10 ।।

अर्थात– खाने से तीन घण्टे पूर्व पकाया गया, स्वादहीन, वियोजित एवं सड़ा, जूठा तथा अस्पृस्य वस्तुओं से युक्त भोजन उन लोगों को प्रिय होता है, जो तामसी होते हैं।

अब बात करते है आयुर्वेद के उन 5 नियमों की जिनका हमें भोजन के विषय में पालन करना चाहिये।

नियम 1: चबा चबा कर भोजन करना

हमें भोजन चबा चबा कर करना चाहिये। एक कहावत है – खाओ कम चबाओं ज्यादा।

आयुर्वेद के अनुसार हमें एक कौर भोजन को 32 बार चबाना चाहिये। और यदि 32 बार न चबा सकें तो कम से कम 20 बार तो अवश्य चबाना चाहिये। अब इसका मतलब यह नहीं है, कि हम गिनती करना शुरू कर दें। हमें भोजन को इतना चबाना चाहिये ताकि उसे आराम से निगला जा सके। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच सकेगा और आपको उससे होने वाला लाभ भी पूरा–पूरा मिल सकेगा

नियम 2: भोजन जल और वायु में सन्तुलन

आयुर्वेद के अनुसार हमें अपने पेट का 50 फीसदी भाग भोजन से और 25 फीसदी भाग जल से भरना चाहिये और बचा हुआ 25 फीसदी भाग वायु के लिये खाली छोड़ देना चाहिये।

नियम 3: सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं

आयुर्वेद के अनुसार सूर्यास्त के बाद आहार नहीं लेना चाहिए क्योंकि सूर्यास्त के बाद हमारे पेट की अग्नि मन्द पड़ जाती है, और हमारे भोजन पचाने की क्षमता कम हो जाती है। इसीलिये दोपहर का भोजन भारी किया जाता है क्योंकि उस समय सूर्य प्रखर होता है।

परन्तु वर्तमान समय की जीवन शैली को देखते हुए यदि ऐसा करना सम्भव न हो तो आप कम–से–कम सोने से 4 घण्टे पहले भोजन जरूर कर लें। आप अपनी दिनचर्या के अनुसार समय तय कर लें। यदि आप रात 12 बजे सोते हैं तो आप 8 बजे तक खाना खा ले और यदि आप रात 1 बजे तक सोते हैं तो आप 9 बजे तक खाना खा सकते है।

रात का भोजन दोपहर के भोजन से हल्का होना चाहिये। और दोपहर के भोजन से कम भी।

नियम 4: प्राकृतिक भोजन करें

आयुर्वेद के अनुसार हम जो भोजन करें उसमें कृत्रिमता न हो। अर्थात फल सब्जियाँ और अनाज इनको इनके मूल रूप में खाये बिना पका कर। और पैकेज्ड किया हुआ भोजन, जिस भोजन में preservative मिला हो और फ्रिज में अधिक दिन तक स्टोर किया हुआ भोजन हमें नहीं करना चाहिये।

अपने भोजन में दिन में एक समय कच्ची सब्जियाँ, फल और सलाद का सेवन जरूर करें। यदि सम्भव हो तो सुबह अंकुरित अन्न का नाश्ता करें।

नियम 5: भोजन करने का सही क्रम

आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने का एक क्रम होता है, जिसका हमे पालन करना चाहिये। हमारे आहार में षठरस (6–Tastes) होते हैं। जिनका क्रम से हमें अपने भोजन में उपयोग करना होता है। हमें अपने खाने की शुरूआत मीठे से करनी चाहिये। परन्तु वर्तमान समय में हम इसको सबसे बाद में खाते हैं। यह गलत है।

मीठे (Sweet) के बाद हमें खट्टा (Sour) खाना चाहिये। और खट्टे के बाद नमकीन (Salty) और उसके बाद तीखा (Pungent) और उसके बाद कड़वा (Bitter) और भोजन के अन्त में हमें कसैला (Astringent) पदार्थ खाना चाहिये। यानी क्रम कुछ इस प्रकार होना चाहिए :

मीठा

खट्टा

नमकीन

तीखा

कड़वा

कसैला

यदि आप स्वस्थ्य हैं तो अपने भोजन में इन 6 रसों का उपयोग कीजिये। और यदि आप अस्वस्थ्य हैं तो अपनी प्रकृति (वात, पित्त, कफ) के अनुसार भोजन में इन रसों का उपयोग कीजिये। उक्त 5 नियमों का यदि हम पालन करते हैं तो पेट में भारीपन, गैस, कब्ज, पेचिस जैसी तमाम बीमारियों से स्वय को बचा सकते हैं।

ईमानदारी की मिसाल

स्काउट मास्टर ने ट्रेन में मिला कीमती मोबाइल लौटाया

स्काउट आंदोलन के आदर्शों को जीवंत करते हुए थोई, (सीकर) के स्काउट मास्टर श्री मनीष कुमावत ने ईमानदारी की एक उत्कृष्ट मिसाल पेश की। मनीष कुमावत को 16 अप्रेल को ट्रेन यात्रा के दौरान लगभग 20,000/– रूपए मूल्य का एक कीमती मोबाइल फोन मिला।

मोबाइल मिलने के बाद मनीष कुमावत ने बिना देर किए उसके मालिक की पहचान करने का प्रयास किया। मोबाइल में उपलब्ध संपर्क नंबरों के माध्यम से उन्होंने संबंधित व्यक्ति से संपर्क किया और सुरक्षित रूप से मोबाइल वापस लौटाया।

मोबाइल मिलने पर उसके मालिक रजत यादव निवासी आगरा ने स्काउट मास्टर श्री मनीष कुमावत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसी ईमानदारी बहुत कम देखने को मिलती है। इस सराहनीय कार्य की क्षेत्र में व्यापक प्रशंसा हुई।

स्काउट मास्टर श्री मनीष कुमावत ने बताया कि स्काउट–गाइड का मूल उद्देश्य सेवा, ईमानदारी और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना है। उन्होंने कहा कि किसी की खोई हुई वस्तु लौटाना हमारा कर्तव्य है।

सीकर सी.ओ. स्काउट श्री बसंत कुमार लाटा व स्काउट–गाइड सदस्यों ने भी इस कार्य की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

पर्यटन स्थल

200 वर्षों से वीरान : कुलधारा

'कु'लधारा' राजस्थान का एक ऐतिहासिक ग्राम है, जो लगभग 200 वर्षों से वीरान पड़ा है। जहाँ पर्यटकों को सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच ही जाने की अनुमति है। कुलधारा एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक ग्राम है। 200 वर्ष पुराने मिट्टी के घरों को यहाँ देखा जा सकता है। इतिहास के अनुसार, इस गाँव में कई वर्षों से पालीवाल ब्राह्मण बसे थे। यहाँ के क्रूर शासकों द्वारा उन्हें इस गाँव को छोड़ने पर मजबूर किया गया। इसलिए लोगों का मानना है कि इस गाँव को पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा शाप दिया गया था।

इतिहास

जैसलमेर से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर कुलधारा गाँव है। माना जाता है कि यह गाँव शापित है। भानगढ़ के किले की तरह यह गाँव भी अचानक ही एक रात में विरान हो गया। उसके बाद से इस गाँव में कोई भी बस नहीं पाया। इस गाँव के विराने में भी भानगढ़ के किले की तरह एक खूबसूरत लड़की की दास्तान छुपी हुई मानी जाती है। माना जाता है कि सन् 1825 के आस–पास कुलधारा पालीवाल ब्राह्मणों का गाँव हुआ करता था। पालीवाल ब्राह्मणों के पूर्वजों का संबंध भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी रुक्मणी से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि पालीवाल ब्राह्मण इनके पुरोहित हुआ करते थे। लेकिन जबकि यह घटना है, उन दिनों पालीवाल किसान हुआ करते थे। यह कृषि के अलावा भवन निर्माण कला में निपुण थे। यह गाँव खुशहाल और संपन्न हुआ करता था।

किंवदंती

कहा जाता है कि कुलधारा गाँव के मुखिया के 18 वर्ष की बहुत ही सुन्दर कन्या थी। एक दिन गाँव के दौरे के दौरान रियासत के मंत्री सलीम सिंह की नजर उस पर पड़ी। उसने मुखिया से मिलकर उससे विवाह करने की इच्छा जाहिर की। परन्तु मुखिया ने इसे ठुकरा दिया। इस पर सलीम सिंह ने गाँव पर भारी टैक्स लगाने और गाँव बरबाद करने की चेतावनी दी। इस घटना से क्रोधित कुलधारा तथा आसपास के 83 गाँवों के निवासियों ने लड़की का सम्मान बचाने के लिए इस जगह को हमेशा के लिए छोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने उसी रात को अपने पूरे घर–परिवार और सामान सहित गाँव छोड़ दिया और कहीं चले गए। उन्हें जाते हुए न तो किसी ने देखा और न ही किसी को पता चला कि वे सब कहाँ गए। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने जाते समय गाँव को श्राप दिया कि उनके जाने के बाद कुलधारा में कोई नहीं बस सकेगा। अगर किसी ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसकी मृत्यु हो जाएगी। तब से यह गाँव आज तक इसी तरह सूनसान और वीरान पड़ा हुआ है। हालांकि किसी जमाने में शानदार हवेलियों के लिए मशहूर कुलधारा में अब सिर्फ खंडहर ही बचे हैं, लेकिन यहाँ जाकर रहने की किसी को इजाजत नहीं है।

वास्तुकला

लगभग 200 वर्ष पहले कुलधारा गाँव की नींव रखी गयी थी और गाँव के निर्माण के वक्त वास्तुकला के चरम का इस्तेमाल किया गया था। कहते हैं कि इस गाँव के घरों में दरवाजे या किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। गाँव को इस प्रकार बनाया गया था कि गाँव का मुख्य प्रवेश द्वार और गाँव के घरों के बीच बहुत लंबा फासला हुआ करता था। लेकिन गाँव के निर्माण के वक्त ऐसी ध्वनि प्रणाली का इस्तेमाल किया गया था कि गाँव के मुख्य प्रवेश द्वार से ही कदमों की आवाज गाँव में घरों तक पहुंच जाती थी। इसलिए यहाँ के लोगों में कभी भी चोरी और डकैती का खतरा नहीं रहता था। अगर इस गाँव के आसपास रह रहे लोगों की मानें तो उस समय कुलधारा के ये घर झरोखों और मोखरों के जरिए आपस में जुड़े थे और घरों के भीतर पानी के कुंडों और सीढ़ियों का बड़ी ही कुशलता के साथ निर्माण किया गया था। यहाँ के स्थानीय निवासियों के अनुसार इस गाँव के घर ऐसे बने थे कि बहने वाली हवाएं सीधे घर के भीतर से होकर गुजरती थीं और रेगिस्तान में होने के बावजूद ये घर बेहद ठंडे होते थे।

वीरान गाँव

कुलधारा गाँव को वीरान हुए काफी समय व्यतीत हो चुका है, किंतु फिर भी आज तक ये गाँव भुतहा और वीरान है। आज भी जब यहाँ कोई जाता है तो वह एक अजीब से डर और घबराहट का सामना करता है। यहाँ आने वालों के मुताबिक जैसे–जैसे आप इस गाँव के खंडहर में चलते जाएंगे, आपको एक अजीब–सी ठंड और बेचैनी का एहसास होगा।

वर्तमान में इस गाँव को पर्यटन के लिहाज से संवारा जा रहा है। यहाँ के वास्तु और शिल्प को देखने देश–विदेश से पर्यटकों का यहाँ आना लगा रहता है।

हमारे महापुरुष

राजा राम मोहन राय

सती प्रथा के पुरजोर विरोधी

राजा राममोहन राय (जन्म– 22 मई, 1772 – मृत्यु– 27 सितम्बर, 1833) को 'आधुनिक भारतीय समाज' का जन्मदाता कहा जाता है। वे ब्रह्म समाज के संस्थापक, भारतीय भाषायी प्रेस के प्रवर्तक, जनजागरण और सामाजिक सुधार आन्दोलन के प्रणेता तथा बंगाल में नव–जागरण युग के पितामह थे। धार्मिक और सामाजिक विकास के क्षेत्र में राजा राममोहन राय का नाम सबसे अग्रणी है। राजा राम मोहन राय ने तत्कालीन भारतीय समाज की कट्टरता, रूढ़िवादिता एवं अंध विश्वासों को दूर करके उसे आधुनिक बनाने का प्रयास किया।

पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के राधानगर गाँव में 22 मई, 1772 को जन्मे राजा राम मोहन राय की प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई। उनके पिता रामकांत राय वैष्णव थे। उन्हें उच्च शिक्षा के लिए पटना भेजा गया। तीक्ष्ण बुद्धि के धनी राम मोहन राय ने पंद्रह साल की उम्र तक बांग्ला, पारसी, अरबी और संस्कृत सीख ली थी।

राजा राम मोहन राय मूर्ति पूजा और रूढ़िवादी हिंदू परंपराओं के विरूद्ध थे। वह सभी प्रकार की सामाजिक धर्मांधता और अंधविश्वास के खिलाफ थे। लेकिन उनके पिता रूढ़िवादी हिंदू ब्राह्मण थे। इससे पिता और पुत्र में मतभेद पैदा हो गया और राजा राम मोहन राय घर छोड़कर चल ले गए। उन्होंने घर लौटने से पहले काफी यात्राएं की। वापसी के बाद उनके परिवार ने इस आशा के साथ उनकी शादी कर दी कि वह बदल जाएंगे। लेकिन इसका उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

वह वाराणसी चले गए और वहां उन्होंने वेदों, उपनिषदों एवं हिंदू दर्शन का गहन अध्ययन किया। 1803 में उनके पिता के गुजर जाने के बाद वे मुर्शिदाबाद लौट आए।

राजा राममोहन राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व विभाग में नौकरी शुरू कर दी। वह जॉन डिग्बी के सहायक के रूप में काम करते थे। वहां वह पश्चिमी संस्कृति एवं साहित्य के संपर्क में आए। उन्होंने जैन विद्वानों से जैन धर्म का अध्ययन किया और मुस्लिम विद्वानों की मदद से सूफीवाद की शिक्षा ली।

युवावस्था में ही मूर्तिपूजा खंडन

जब वे मुश्किल से 15 वर्ष के थे, तब उन्होंने बंगाल में एक छोटी सी पुस्तिका लिखी थी, जिसमें उन्होंने मूर्तिपूजा का खंडन किया था, जिसके सम्बन्ध में उनका कहना था कि वह वेदों में नहीं है। नवयुवक राममोहन को इसके लिए बहुत कष्ट उठाने पड़े। उन्हें कट्टरवादी परिवार से निकाल दिया गया और उन्हें देश निकाले के रूप में अपना जीवन व्यतीत करना पड़ा। तथापि उन्होंने ईश्वर प्रदत्त परिस्थितियों से पूर्ण लाभ उठाया। उन्होंने दूर दूर तक यात्राएं की और इस प्रकार बहुत सा ज्ञान और अनुभव संचित किया। राममोहन राय को मूर्तिपूजा एवं परम्पराओं के विरोध के कारण अपना घर भी छोड़ना पड़ा था। उन्होंने तिब्बत यात्रा की तो उनके क्रान्तिकारी विचारों के कारण वहाँ के लामा भी उनके विरोधी हो गये। वे अरबी और फारसी पहले से ही जानते थे, अब उन्होंने संस्कृत की भी योग्यता प्राप्त कर ली। उन्होंने अंग्रेज़ी, फ्रेंच, लैटिन, हिब्रू और ग्रीक का भी कुछ ज्ञान प्राप्त कर लिया। एकेश्वरवादी राममोहन राय ने जैन, इस्लाम आदि धर्मों का अध्ययन किया था। वे संसार के महत्त्वपूर्ण धर्मग्रंथों का मूल रूप में अध्ययन करने में समर्थ थे। इस कारण वे संसार के सभी महत्त्वपूर्ण धर्मों की तुलना करने में सफल हो गये। विश्वधर्म की उनकी धारणा किन्हीं संश्लिष्ट सिद्धांतों पर आधारित नहीं थी, अपितु विभिन्न धर्मों के गम्भीर ज्ञान पर ही आधारित थी। उन्होंने वेदों और उपनिषदों का बंगला अनुवाद किया। वेदान्त के ऊपर अंग्रेज़ी में लिखकर उन्होंने यूरोप तथा अमेरिका में भी बहुत ख्याति अर्जित की।

कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष

राममोहन राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी की नौकरी छोड़कर अपने आपको राष्ट्र सेवा में झोंक दिया। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के अलावा वे दोहरी लड़ाई लड़ रहे थे। दूसरी लड़ाई उनकी अपने ही देश के नागरिकों से थी। जो अंधविश्वास और कुरीतियों में जकड़े थे। राजा राममोहन राय ने उन्हें झकझोरने का काम किया। बाल–विवाह, सती प्रथा, जातिवाद, कर्मकांड, पर्दा प्रथा आदि का उन्होंने भरपूर विरोध किया। उन्होंने गवर्नर जनरल लार्ड विलियम

बेंटिक की मदद से सती प्रथा के खिलाफ कानून बनवाया। धर्म प्रचार के क्षेत्र में अलेक्जेंडर डफ्फ ने उनकी काफी सहायता की। द्वारका नाथ टैगोर उनके सबसे प्रमुख अनुयायी थे।

पत्रकारिता में योगदान

राजा राममोहन राय ने 'ब्रह्ममैनिकल मैग्ज़ीन', 'संवाद कौमुदी', मिरात–उल–अखबार, बंगदूत जैसे स्तरीय पत्रों का संपादन–प्रकाशन किया। बंगदूत एक अनोखा पत्र था। इसमें बांग्ला, हिन्दी और फारसी भाषा का प्रयोग एक साथ किया जाता था। उनके जुझारू और सशक्त व्यक्तित्व का इस बात से अंदाज

लगाया जा सकता है कि सन् 1821 में अँग्रेज जज द्वारा एक भारतीय प्रताप नारायण दास को कोड़े लगाने की सजा दी गई। फलस्वरूप उसकी मृत्यु हो गई। इस बर्बरता के खिलाफ राय ने एक लेख लिखा।

राजा राममोहन राय ने 1814 में आत्मीय सभा का गठन कर समाज में सामाजिक और धार्मिक सुधार शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने महिलाओं के फिर से शादी करने, संपत्ति में हक समेत महिला अधिकारों के लिए अभियान चलाया। उन्होंने सती प्रथा और बहुविवाह का जोरदार विरोध किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर यूपी अरोड़ा कहते हैं कि उन दिनों काफी पिछड़ापन था और संस्कृति के नाम पर लोग अपनी जड़ों की ओर देखते थे, जबकि राजा राम मोहन राय यूरोप के प्रगतिशील एवं आधुनिक विचारों से प्रभावित थे। उन्होंने इस नब्ज को समझा और जड़ को ध्यान में रखकर वेदांत को नया अर्थ देने की चेष्टा की। प्रो. कैसर के अनुसार राय ने कहा था कि सती प्रथा का वेदों में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने घूम–घूम कर लोगों को उसके खिलाफ जागरूक किया। उन्होंने लोगों की सोच में बदलाव लाने का अथक प्रयास किया।

राजा राम मोहन राय ने शिक्षा खासकर स्त्री–शिक्षा का समर्थन किया। उन्होंने अंग्रेजी, विज्ञान, पश्चिमी चिकित्सा एवं प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर बल दिया। वह मानते थे कि अंग्रेजी शिक्षा पारंपरिक शिक्षा प्रणाली से बेहतर है। उन्होंने 1822 में अंग्रेजी शिक्षा पर आधारित स्कूल की स्थापना की।

आधुनिक भारत के निर्माता कहे जाने वाले महान समाज सुधारक राजा राम मोहन राय ने केवल सती प्रथा जैसी कुरीति खत्म नहीं की बल्कि लोगों के सोचने–समझने का ढंग बदल दिया।

नवंबर, 1830 में राजा राम मोहन राय ने ब्रिटेन की यात्रा की। उनका ब्रिस्टल के समीप स्टाप्लेटन में 27 सितंबर, 1833 को निधन हो गया।

महापुरूषों की राय

रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार, राममोहन राय ने भारत में आधुनिक युग का सूत्रपात किया। उन्हें भारतीय पुनर्जागरण का पिता तथा भारतीय राष्ट्रवाद का प्रवर्तक भी कहा जाता है उनके धार्मिक और सामाजिक सब विचारों के पीछे अपने देशवासियों की राजनीतिक उन्नति करने की भावना मौजूद रहती थी। वे आगे लिखते हैं कि मुझे यह खेदपूर्वक कहना पड़ता है कि हिन्दुओं की वर्तमान पद्धति उनके राजनीतिक हितों की दृष्टि से ठीक नहीं है। जात पात के भाव ने उन्हें राजनीतिक भावना में शून्य कर दिया है। सैकड़ों हज़ारों धार्मिक कृत्यों और शुद्धता के नियमों ने उन्हें कोई भी कठिन काम करने के अयोग्य बना दिया है। मैं समझता हूँ कि यह आवश्यक है कि उनके राजनीतिक लाभ और सामाजिक सुविधा के लिए उनके धर्म में कुछ परिवर्तन हो।

- स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

CELEBRATIONS DAYS : MAY-JUNE, 2026

15 May	:	World Family Day
18 May	:	International Museum Day
22 May	:	International Day for Biological Diversity
30 May	:	Hindi Journalism Day
31 May	:	World No-Smoking Day
05 June	:	World Environment Day
10 June	:	World Groundwater Day
14 June	:	World Blood-donation Day
21 June	:	International Yoga Day
26 June	:	International Day Against Drug Abuse

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

पर्यावरण प्रदूषण से बदलता पशु-पक्षियों का व्यवहार

प्रस्तोता –
स्काउटर डॉ. दीपक द्विवेदी

पक्षी वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार शर्मा बताते है परिवर्तन प्रकृति का नियम है। समाज में जिस प्रकार कुछ परम्पराएं टूटती है तो कुछ नयी बन जाती है। इसी प्रकार पशु-पक्षियों ने बदल रहे पर्यावरणीय वातावरण में खुद को एडजस्ट कर लिया है।

परिवेश बदल रहा है, वातावरण बदल रहा है, प्रकृति में परिवर्तन हो रहे हैं। इसका असर सभी पर पड़ रहा है। क्या मनुष्य, क्या पशु–पक्षी, जानवर, कीट–पतंगे सभी अपना व्यवहार बदल रहे हैं। यह बदलाव बहुत तेजी से हो रहे हैं और हमारे पर्यावरण मनीषी इस पर निरन्तर चिन्तन कर रहे हैं।

करोड़ों वर्षों से पृथ्वी का अस्तित्व हैं। इस बीच कई परिवर्तन हुए। डायनासोर समाप्त हो गए। पक्षियों की कई प्रजातियां लुप्त हो गई। कई जानवर, सरिसर्प लुप्त होने के कगार पर हैं। कहते हैं कि आदमी के पूँछ हुआ करती थी। आदि मानव जंगली अवस्था में घूमा करता था। हजारों वर्षों के बाद मनुष्य आज की स्थिति में आया।

वर्तमान समय में जो परिवर्तन हो रहे है वे बड़े तेजी से हो रहे हैं मनुष्य की सोच, व्यवहार तेजी से बदल रहा है। इसी प्रकार का बदलाव जानवरों के व्यवहार में देखा जा रहा है। उदाहरण के तौर पर पालतू जानवरों को देखें तो गाय, बैल, भैंस आदि अब भोजन की तलाश में रात को भी भटकते देखे जा सकते है जबकि पहले लोग इन चौपायों के उदाहरण मनुष्य को देते थे। कोई भी व्यक्ति जब रात को खाना खाता तब बड़े बुजुर्ग कहते अब तो चौपायों ने भी भोजन करना बन्द कर दिया है अर्थात जानवर तक जल्दी भोजन कर लेते है तो इन्सानों को भी ऐसा ही करना चाहिए।

अब हमारे घरों के मुख्य द्वार पर गायें टकटकी लगाए घंटों खड़ी रहती है। रोटी मिलने के बाद ही ये दरवाजे से हटती हैं। कुछ गायें रोटी मिलने के बाद भी और रोटी मिलने की आस में खड़ी रहती हैं। दरअसल जानवर भूखे रहते हैं। बड़े गाँवों तथा कस्बों तक में चारागाह समाप्त हो गए हैं। शहरों में तो और भी बुरी स्थिति है। ये पशु वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण के माहौल में, बीच सड़क में बैठे रहते हैं।

भोजन की कमी का आलम आबादी क्षेत्र में ही हो ऐसा नहीं है। जंगल में भी भोजन नहीं है। शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनों के लिए पेट भरना एक बड़ा संकट है। इसलिए पेन्थर जैसे हिंसक जानवरों के शहरों में आने की घटनाएं देश भर में बढ़ गई है। आबादी क्षेत्र में आने के बाद ये जानवर सुरक्षित नहीं

रहते। इनकी संख्या घटने का एक कारण यह भी है। भूख के कारण इनके व्यवहार में परिवर्तन आ रहा है तथा पेन्थर सहित कई हिंसक जानवर आदमखोर हो रहे हैं।

सरिसृपों में सांप तथा अजगर की प्रजातियों पर भयंकर खतरा मंडरा रहा है। शहर हो चाहे गाँव आबादी क्षेत्र हर जगह बढ़ रहा है। इससे इनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने से ये असुरक्षित हो गए है। असुरक्षा की इसी भावना से इनका व्यवहार बदल रहा है। पिछले कुछ वर्षो में सर्पदंश की बढ़ रही घटनाओं को देखने से यह बात स्पष्ट हो जाती है। गांवों में तो सांप को देखते ही लोग मार देते है। कुल मिलाकर दोनों तरफ से असुरक्षा की भावना ने मनुष्य तथा साँप दोनों के व्यवहार में परिवर्तन ला दिया है।

पक्षियों के बारे में यदि हम बात करें तो इनके व्यवहार में भी परिवर्तन देखे जा रहे हैं। कुछ प्रजातियों को छोड़ दें तो ज्यादातर पक्षी पेड़ पर अपना घोंसला बनाते हैं, लेकिन अब पिछले कुछ वर्षों से पक्षियों ने अपने घोंसले बिजली के खंभों पर बनाना शुरू कर दिया है। इसमें सबसे अव्वल मैना है। अब मैना के घोंसले बिजली के खंभो पर आसानी

से देखे जा सकते है। हमेशा पेड़ पर डेरा डालने वाला कौआ भी अब अपना घरौन्दा टावरों पर बना रहा है। इसी प्रकार गिलहरी ने भी बिजली के खंभों पर अपना आवास बनाने की शुरूआत कर दी है। किलकिला नाम का पक्षी जिसकी पहली पसन्द मछली है वह भी अब कीड़े–मकोड़े खोजता नजर आता है। अण्डों पर बैठी टिटहरी अपने आवास के पास किसी को फटकने नहीं देती लेकिन ऐसा लगता हैं उसके इस व्यवहार में थोड़ी नरमी आयी है।

परिवर्तन के इस दौर में पशु–पक्षी स्वयं को बचाए रखने की कोशिश कर रहे है। इन्सान भी खुद को बनाए रखने के लिए अपना व्यवहार किसी भी हद तक बदल देता है। जानवरों के प्राकृतिक आवास जिस तेजी से नष्ट हो रहे है ऐसे में पक्षियों ने विकल्प ढूंढ लिए है। बिजली के खंभो पर, टावरों पर घोंसला बनाने के पीछे सुरक्षा भी प्रमुख कारण है। हिंसक जानवर बस्ती में आ रहे है क्योंकि उनके पास विकल्प नहीं है। पालतू जानवरों ने प्लास्टिक खाना शुरू कर दिया है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से खतरनाक है।

पक्षी वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार शर्मा बताते है परिवर्तन प्रकृति का नियम है। समाज में जिस प्रकार कुछ परम्पराएं टूटती है तो कुछ नयी बन जाती है। इसी प्रकार पशु–पक्षियों ने बदल रहे पर्यावरणीय वातावरण में खुद को एडजस्ट कर लिया है। इस परिवर्तन की शुरूआत सबसे पहले महानगरों में हुई। महानगरों में पक्षियों ने घोंसले बनाने में लोहे के तार का प्रयोग शुरू कर दिया है। लोहे का तार जल्दी गर्म हो जाता है और इससे शायद अण्डे सेने में ज्यादा समय नहीं लगे। टावर पर घोंसला बनाने के पीछे भी यही कारण नजर आता है।

पक्षी वैज्ञानिक, पर्यावरण चिन्तक इसके कारणों को जानने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस दिशा में पर्यावरण विषयक जरनलों में भी शोधपरक सामग्री लगातार छपती रही हैं। अब तक जो अध्ययन हो चुके हैं, वह इस दिशा में किया गया सार्थक प्रयास कहा जा सकता है। लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। निष्कर्ष रूप में हम तो यही कहेंगे कि पशु–पक्षियों में आ रहा व्यवहारगत परिवर्तन गहन अध्ययन का विषय है तथा इस दिशा में और अध्ययन किया जाना चाहिये।

स्काउटिंग का पांचवा नियम ''स्काउट गाइड पशु–पक्षियों का मित्र व प्रकृति प्रेमी होता है'' की भावनात्मक ही सही पशु पक्षियों की पीड़ा हरण करने में सहायक है। स्काउट गाइड इसकी अनुपालना कर अपना धर्म निर्वाह करें तो किसी हद तक स्थिति पर काबु पाया जा सकता है।

स्काउटर–बांसवाड़ा

शहर हो चाहे गाँव आबादी क्षेत्र हर जगह बढ़ रहा है। इससे इनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने से ये असुरक्षित हो गए है। असुरक्षा की इसी भावना से इनका व्यवहार बदल रहा है। पिछले कुछ वर्षो में सर्पदंश की बढ़ रही घटनाओं को देखने से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर
वार्षिक कार्यक्रम 2026-27

क्र.सं.	गतिविधियां	स्थान	तिथियाँ
अप्रेल, 2026			
1	मण्डल स्तरीय प्रोग्राम कमेटी मीटिंग (ऑर्गेनाइजर्स)	मण्डल स्तर	02.04.2026
2	विश्व स्वास्थ्य दिवस– जनचेतना अभियान	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	07.04.2026
3	बिगिनर्स कोर्स– स्काउट गाइड विंग	जिला स्तर	09.04.2026
4	प्रेसिडेन्ट स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर आवेदन फॉर्म भरना	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	15.04.2026 तक
5	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट स्काउट–रोवर प्रशिक्षण शिविर	आबूराज	16 से 20.04.2026 तक
6	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट गाइड–रेंजर प्रशिक्षण शिविर	बीकानेर	16 से 20.04.2026 तक
7	राज्य पुरस्कार स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर	20 से 24.04.2026 तक
8	प्रेसिडेन्ट स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर	20 से 24.04.2026 तक
9	राज्य स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	आबूराज, अजमेर, जोधपुर,कोटा, बीकानेर	21 से 25.04.2026 तक
10	फ्लॉक लीडर/गाइड कैप्टन/रेंजर लीडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	21 से 27.04.2026 तक
11	कब/स्काउट/रोवर युनिट लीडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	21 से 27.04.2026 तक
12	पृथ्वी दिवस–परिण्डा एवं चुग्गा पात्र महा अभियान प्रारम्भ	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	22.04.2026
13	हिमालय वुड बैज कोर्स (स्काउट)	जगतपुरा, जयपुर	24 से 30.04.2026 तक
14	राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर अनुशंसा शिविर	जिला स्तर	27 से 30.04.2026 तक
15	ए.डी.सी./सचिव/संयुक्त सचिव संगोष्ठी	जिला स्तर	30.04.2026 तक
16	प्रशासनिक प्रतिवेदन एवं गणना भिजवाना	राज्य मुख्यालय पर	30.04.2026 तक
17	पदक/अलंकार पुरस्कार हेतु आवेदन भिजवाना	राज्य स्तर पर	30.04.2026 तक
18	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.04.2026 तक
19	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.04.2026 तक
20	प्रेसिडेन्ट स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर आवेदन फार्म भिजवाना	राज्य स्तर	30.04.2026 तक
21	उपराष्ट्रपति/प्रधानमंत्री शील्ड अवार्ड पंजीकरण	राज्य स्तर पर	30.04.2026
22	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा, जयपुर	30.04.2026 तक
23	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 07,10,11,13)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
24	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधि	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
25	नो बैग डे के तहत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
26	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर	जिला स्तर पर	प्रति माह
मई, 2026			
27	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस – परिण्डा एवं चुग्गा पात्र	सभी स्तरों पर	09.05.2026
28	फ्लॉक लीडर/गाइड कैप्टन/रेंजर लीडर एडवांस कोर्स	आबूराज नं. 01	08 से 14.05.2026
29	ग्रामीण/स्वतंत्र रेंजर लीडर बेसिक कोर्स	आबूराज नं. 01	08 से 14.05.2026
30	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट रोवर जाचं शिविर	बीकानेर	08 से 12.05.2026
31	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट स्काउट जाचं शिविर	अजमेर	08 से 12.05.2026
32	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट गाइड व रेंजर जाचं शिविर	बनीपार्क जयपुर	08 से 12.05.2026
33	कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर (अभिरूचि केन्द्र)	स्थानीय संघ/जिला	18.05 से 16.06.2026 तक
34	ग्रामीण/स्वतंत्र रोवर लीडर बेसिक कोर्स	आबूराज नं. 01	18 से 24.05.2026 तक
35	कब/स्काउट यूनिट लीडर एडवांस कोर्स	आबूराज नं. 01	18 से 24.05.2026 तक
36	जैव विविधता दिवस – प्रतियोगिताए/वार्ताएँ	सभी स्तरों पर	22.05.2026
37	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट गाइड प्रशिक्षण/जांच शिविर	आबूराज नं. 01	26.05 से 30.05.2026
38	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.05.2026 तक
39	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.05.2026 तक
40	उपराष्ट्रपति अवार्ड लॉग बुक भिजवाना	राज्य मुख्यालय	31.05.2026 तक
41	तम्बाकू एवं धूम्रपान निषेध दिवस – प्रतियोगिताएं	ग्रुप/स्था. संघ/जिला स्तर	31.05.2026
42	जल सेवा/परिण्डा/चुग्गा पात्र अभियान	सभी स्तरों पर	ग्रीष्मावकाश
43	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
44	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 1, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
45	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
जून, 2026			
46	कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ/जिला	01 से 18.06.2026 तक
47	राज्य स्तरीय प्रेसिडेन्ट स्काउट प्रशिक्षण/जांच शिविर	आबूराज नं. 01	01 से 05.06.2026 तक

48	विश्व पर्यावरण दिवस – स्काउट/गाइड मैराथन	सभी स्तरों पर	05.06.2026
49	कमिश्नर बेसिक कोर्स	आबूराज नं. 01	08 से 12.06.2026 तक
50	रोवर/रेंजर साहसिक शिविर	मोरनी हिल्स/मनाली	01 से 05.06.2026 तक
51	सचिव/संयुक्त सचिव प्रशिक्षण शिविर	आबूराज नं. 01	14 से 18.06.2026 तक
52	स्काउटर/गाइडर शैक्षणिक भ्रमण	मोरनी हिल्स/मनाली	06 से 10.06.2026 तक
53	विश्व योग दिवस	सभी स्तरों पर	21.06.2026
54	जल सेवा अभियान	सभी स्तरों पर	25.06.2026 तक
55	मादक पदार्थ एवं नशा विरोधी दिवस	सभी स्तरों पर	26.06.2026
56	मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	30.06.2026 तक
57	स्थानीय संघ वार्षिक अधिवेशन	स्थानीय संघ स्तर पर	30.06.2026 तक
58	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.06.2026 तक
59	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.06.2026 तक
60	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
61	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 1, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
62	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
63	डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

जुलाई, 2026

64	जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	03.07.2026 तक
65	राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट	झुंझुनू	08 से 10.07.2026 तक
66	विश्व जनसंख्या दिवस	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	11.07.2026
67	प्रधानमंत्री शील्ड लॉग बुक भेजना	राज्य मुख्यालय	15.07.2026 तक
68	संस्था प्रधान सेमीनार	जिला स्तर	15.07.2026 तक
69	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला स्तर	16 से 22.07.26 तक
70	ट्रेनिंग कॉउन्सलर/ए.डी.सी द्वारा ग्रुप विजिट	स्थानीय संघ स्तर पर	21से 26.07.2026 तक
71	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज न.1	21 से 25.07.2026 तक
72	स्पेशल कौशल विकास ट्रेनर्स प्रशिक्षण शिविर	उदयनिवास, उदयपुर	27 से 31.07.2026 तक
73	एडवेंचर प्रोग्राम	मण्डल स्तर पर	25 से 29.07.2026 तक
74	प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, सचिव/संयुक्त सचिव सेमिनार	जिला स्तर पर	30.07.2026
75	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा, जयपुर	31 जुलाई 2026 तक
76	जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन	जिला स्तर पर	31 जुलाई 2026 तक
77	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	राज्य मुख्यालय पर	30.07.2026 तक
78	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.07.2026 तक
79	स्काउटर/गाइडर एवं ट्रेनिंग कॉउन्सलर अभिनवन शिविर	जिला स्तर	31 जुलाई 2026 तक
80	विद्यालय स्वच्छता अभियान	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	31 जुलाई 2026 तक
81	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर हाइक (पैदल)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	31 जुलाई 2026 तक
82	राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	31 जुलाई 2026 तक
83	राज्य स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	31 जुलाई 2026 तक
84	गोल्डन ऐरो अवार्ड फॉर्म ऑनलाइन करना	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	31 जुलाई 2026 तक
85	राज्य वित्त समिति सभा	राज्य मुख्यालय	31 जुलाई 2026 तक
86	राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य मुख्यालय	31 जुलाई 2026 तक
87	राज्य पुरस्कार पंजीकरण फॉर्म ऑनलाइन भरना	राज्य मुख्यालय	31 जुलाई 2026 तक
88	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
89	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 4, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
90	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
91	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

अगस्त, 2026

92	राज्य स्तरीय अवार्ड कमेटी मीटिंग	राज्य मुख्यालय	03.08.2026
93	बिगिनर्स कोर्स– स्काउट गाइड विंग	जिला स्तर	03.08.2026
94	यूनिट लीडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	04 से 10.08.2026
95	नेशनल लेवल एयर रोवर/रेंजर लीडर बेसिक कोर्स	जोधपुर	18 से 24.08.2026
96	राज्य स्तरीय सचिव संगोष्ठी	जगतपुरा,जयपुर	05.08.2026
97	राज्य स्तरीय प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर संगोष्ठी	जगतपुरा, जयपुर	06.08.2026
98	स्वतंत्रता दिवस	सभी स्तरों पर	15.08.2026
99	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज न.1	21 से 23.08.2026 तक

100	हिमालय वुड बैज री–यूनियन	मण्डल स्तर	21 से 22.08.2026
101	नेशनल लेवल ए.एल.टी. कोर्स (स्काउट व गाइड विंग)	जगतपुरा, जयपुर	19 से 25.08.2026 तक
102	नेशनल लेवल रोवर/रेंजर यूथ फोरम	अजमेर	21 से 25.08.2026 तक
103	रामदेवरा मेला सेवा शिविर (सम्भाग स्तर)	पोकरण, जैसलमेर	मेले के अनुसार
104	ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	जयपुर	31.08.2026 तक
105	राज्य परिषद् का वार्षिक अधिवेशन	जयपुर	31.08.2026 तक
106	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	31.08.2026 तक
107	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.08.2026 तक
108	निपुण/राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर	31.08.2026 तक
109	ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	31.08.2026 तक
110	जिला यूथ कमेटी सभा	जिला स्तर पर	31.08.2026 तक
111	चतुर्थ चरण/हीरक पंख/गोल्डन ऐरो प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	31.08.2026 तक
112	द्वितीय/तृतीय सोपान/टोली नायक प्रशिक्षण शिविर	स्था.संघ स्तर	31.08.2026 तक
113	राज्य पुरस्कार पंजीकरण फॉर्म ऑनलाइन भरना	राज्य मुख्यालय	31.08.2026 तक
114	कम्यूनिटी डवलपमेन्ट सेमिनार	जिला स्तर पर	31.08.2026 तक
115	कब/बुलबुल भ्रमण	स्थानीय संघ स्तर पर	31.08.2026 तक
116	महाविद्यालय प्राचार्य, रोवर/रेंजर लीडर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	31.08.2026 तक
117	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
118	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
119	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 15)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
120	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउट/गाइड द्वारा योग प्रशिक्षण कार्यक्रम	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
121	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

सितम्बर, 2026

122	बिगिनर्स कोर्स–स्काउट गाइड विंग	जिला स्तर	01.09.2026
123	शिक्षक दिवस	ग्रुप/स्था.संघ पर	05.09.2026
124	श्री गणेश जी मेला सेवा शिविर (सम्भाग स्तर)	सवाई माधोपुर	मेले के अनुसार
125	प्रेसिडेन्ट/राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	आबूराज नं. 01	08 से 12.09.2026 तक
126	उद्योग पर्व सप्ताह	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	07 से 14.09.2026 तक
127	विश्व साक्षरता दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	08.09.2026
128	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	09 से 15.09.2026 तक
129	स्काउटर/गाइडर एडवांस कोर्स	मण्डल स्तर पर	09 से 15.09.2026 तक
130	राज्य स्तरीय स्पेशल कोर्स–पायनियरिंग एण्ड फर्स्ट एड कोर्स (कॉमन)	जगतपुरा, जयपुर	22 से 26.09.2026 तक
131	विश्व ओजोन दिवस–वार्ताएं, राज्य स्तरीय साइकिल रैली	जिला/सम्भाग/राज्य स्तर	16 से 18.09.2026 तक
132	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज	21 से 25.09.2026 तक
133	राज्य स्तरीय स्काउट गाइड रोवर रेंजर जनजाति महोत्सव	आबूराज/सिरोही	24 से 28.09.2026 तक
134	नेशनल लेवल इन्वायरमेंट अवेयरनस ट्रेकिंग प्रोग्राम (डेजर्ट)	जैसलमेर	25 से 29.09.2026 तक
135	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	30.09.2026 तक
136	स्थानीय संघ स्तरीय स्काउट गाइड, रोवर, रेंजर प्रतियोगिता रैली	स्थानीय संघ स्तर	30.09.2026 तक
137	गोल्डन ऐरो अवार्ड फार्म ऑनलाइन करना	ग्रुप/जिला/राज्य स्तर पर	30.09.2026 तक
138	कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.09.2026 तक
139	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.09.2026 तक
140	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.09.2026 तक
141	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
142	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 3, 15, 16)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
143	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउट गाइड द्वारा सूर्यनमस्कार	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
144	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

अक्टूबर, 2026

145	दशहरा मेला सेवा शिविर	कोटा(सम्भाग स्तर)	मेले के अनुसार
146	गांधी/शास्त्री जयन्ती– प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्था. संघ/जिला स्तर	02.10.2026
147	षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) एवं कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	01 से 03.10.2026 तक
148	प्रकृति अध्ययन शिविर	जिला स्तर पर	04 से 06.10.2026 तक
149	राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	06 से 09.10.2026
150	राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	12 से 15.10.2026 तक
151	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज नं. 1	21 से 25.10.2026 तक

152	स्थानीय संघ स्तरीय स्काउट गाइड, रोवर, रेंजर प्रतियोगिता रैली	स्थानीय संघ स्तर	31.10.2026 तक
153	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	31.10.2026 तक
154	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.10.2026 तक
155	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 16)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
156	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
157	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
158	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
159	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	30.10.2026 तक

नवम्बर, 2026

160	भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्था. संघ/जिला स्तर	07.11.2026.
161	नेशनल लेवल जंगल जंबूरी	पचमढ़ी	30.11.2026 तक
162	पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	मेले के अनुसार
163	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज न.1	21 से 25.11.2026 तक
164	कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	मेले के अनुसार
165	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.11.2026 तक
166	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.11.2026 तक
167	कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2026 तक
168	द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्था. संघ स्तर पर	30.11.2026 तक
169	विशेष योग्यजन/दिव्यांग स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2026 तक
170	अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2026 तक
171	अनुसूचित जाति/जनजाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2026 तक
172	ग्रुप वार्षिक शिविर	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	30.11.2026 तक
173	चतुर्थ चरण, हीरक पंख, फॉर्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय	30.11.2026 तक
174	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	सभी स्तरों पर	प्रतिमाह
175	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 17)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
176	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
177	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
178	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	30.11.2026 तक

दिसम्बर, 2026

179	विश्व एड्स दिवस–(संगोष्ठी/वार्ताएँ)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	01.12.2026
180	मानवाधिकार दिवस	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	10.12.2026 तक
181	राज्य स्तरीय डेजर्ट ट्रेकिंग कम एडवेंचर कैम्प	जैसलमेर	11 से 15.12.26
182	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज न. 1	21 से 25.12.26 तक
183	रोवर मूट/रेंजर मीट व युथ वर्कशॉप	सवाईमाधोपुर	26 से 30.12.2026
184	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.12.2026 तक
185	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.12.2026 तक
186	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्था. संघ/जिला स्तर	प्रतिमाह
187	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रतिमाह
188	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 5)	जिला स्तर	प्रतिमाह
189	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
190	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
191	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	31.12.2026 तक

जनवरी, 2027

192	राज्य पुरस्कार समारोह (युवा दिवस)	जगतपुरा, जयपुर	10 से 12.01.2027 तक
193	राष्ट्रीय युवा दिवस/जिला यूथ कमेटी बैठक	स्था.संघ /जिला स्तर पर	12.01.2027
194	सड़क सुरक्षा सप्ताह	जिला/राज्य स्तर	तिथिनुसार
195	गणतंत्र दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	26.01.2027
196	शहीद दिवस – प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	30.01.2027
197	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.01.2027 तक
198	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.01.2027 तक
199	हिमालय वुड बैज कोर्स फ्लॉक/गाइड/रेंजर	जोधपुर	16 से 22.01.2027
200	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
201	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
202	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह

203	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 8, 12)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
204	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
205	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
206	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	31.01.2027 तक
फरवरी, 2027			
207	हिमालय वुड बैज कोर्स (कब/स्काउट/रोवर)	अजमेर	01 से 07.02.2027
208	द्वितीय/तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर	01 से 05.02.2027
209	उर्स मेला अजमेर	जिला स्तर	मेले के अनुसार
210	द्वितीय/तृतीय सोपान जांच शिविर	स्थानीय संघ स्तर	06 से 08.02.2027
211	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	11 से 17.02.2027 तक
212	नेशनल लेवल कब बुलबुल महोत्सव	बीकानेर	19 से 23.02.2027
213	स्टेट एड्वेंचर प्रोग्राम	आबूराज नं. 1	21 से 25.02.2027
214	विश्व स्काउट दिवस/गाइड चिन्तन दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	22.02.2027
215	मण्डल स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	मण्डल स्तर	24 से 28.02.2027
216	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	28.02.2027 तक
217	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	28.02.2027 तक
218	बेणेश्वर मेला सेवा शिविर	डूंगरपुर	मेले के अनुसार
219	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
220	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
221	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 8, 12, 17)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
222	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
223	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
224	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	28.02.2027 तक
मार्च, 2027			
225	राज्य स्तरीय खाटूश्याम जी मेला सेवा शिविर	श्रीखाटूश्याम जी, सीकर	मेले की तिथिनुसार
226	स्टेट लेवल प्रोग्राम, ट्रेनिंग एण्ड प्लानिंग कमेटी मीटिंग	जयपुर	07 से 08.03.2027 तक
227	अनाथालय/विशेष योग्यजन स्काउट गाइड गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2027 तक
228	अनुसूचित जाति/जनजाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2027 तक
229	विजन 2034 का वार्षिक मूल्यांकन	जिला/मण्डल/राज्य स्तर	15.03.2027 तक
230	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबूराज नं. 1	21 से 25.03.2027 तक
231	राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	10.03.2027 तक
232	पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	10.03.2027 तक
233	प्रोग्राम एण्ड ट्रेनिंग कमेटी मीटिंग	जिला स्तर पर	20.03.2027 तक
234	सचिव/सर्कल ऑर्गेनाइजर्स सभा	मण्डल स्तर पर	31.03.2027 तक
235	जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	31.03.2027 तक
236	राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य स्तर पर	31.03.2027 तक
237	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
238	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
239	एमओपी/एसडीजी पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 11, 13)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
240	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला पर	प्रति शनिवार
241	डी.एल.एड/बी.एड ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
242	इन्टर स्टेट कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम	जगतपुरा जयपुर	31.03.2027 तक

सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals)

1. गरीबी का अंत	2. भूखमरी समाप्त करना	3. स्वस्थ जीवन एवं आरोग्य
4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	5. लैंगिक समानता	6. शुद्ध जल एवं स्वच्छता
7. किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा	8. सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	9. उद्योग, नवाचार और अवसंरचना
10. असमानता में कमी	11. संधारणीय शहर एवं समुदाय	12. सतत उपभोग एवं उत्पादन
13. जलवायु परिवर्तन	14. पानी में जीवन (जलीय जीव संरक्षण)	15. भूमि पर जीवन (वृक्ष, पक्षी, वन्यजीव संरक्षण)
16. शांति, न्याय और सुदृढ़ संस्थान	17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी	

विशेष :– 1. राज्य सरकार द्वारा बजट उपलब्धता एवं तत्कालीन परिस्थितियों के मध्यनजर गतिविधियों के आयोजन एवं तिथियों में परिवर्तन/परिवर्धन/संशोधन सम्भव है।

2. दिनांक 24 मार्च, 2026 को आयोजित राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा से अनुमोदित

राज्य सचिव

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'वायुयान परिचालन' एवं 'वन विज्ञ' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

वायुयान परिचालन
AVITOR

युवा पीढ़ी में वायुयान परिचायन से संबंधी जानकारी की जिज्ञासा रहती है। वह इसके बारे में बहुत कुछ जानने के लिए लालायित रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वायुयान परिचान दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसका पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

एविएटर (वायुयान परिचालन) : (यह बैज केवल वायु स्काउटों के लिए ही है ।

1. (i) एक वायुयान के निकट होने पर अथवा हवाई अड्डे के पास होने पर सुरक्षा के सामान्य नियमों का पालन करना तथा अपनाई जाने वाली सुरक्षा–पूर्व सावधानियों की जानकारी हो।

(ii) रात्रि व दिन, दोनों समय, वायुयान को उतरने के लिए 'हवा की दिशा' का संकेत दे और वायुयान के चक्कर लगाने में तथा उसे रोकने में सहयोग करें।

(iii) अवरोधकों का प्रयोग करें और उन्हें पहले से ही तैयार रखे। वायुयान के रुकते और चलते समय लोगों को उससे दूर रहने के महत्व को समझाए और टूटे हुए जहाज की मशीन या उसके कल–पुर्जों के साथ छेड़छाड़ न करने की आवश्यकता से लोगों को अवगत कराना जब तक कि कोई पुलिस या विभागीय अधिकारी वहाँ न पहुँच जाए।

(iv) वायुयान को उतरने के लिए उपयुक्त भूमि के आवश्यक अवयवों को दर्शाए और समीप में जहाज उतरने के लिए सम्भव तीन भुभागों के नाम बताए, साथ ही ट्रूप मुख्यालय से 80 कि.मी. के अन्दर स्थित प्रमुख हवाई अड्डों के कम्पास–दिशा की जानकारी रखें।

2. उड़ान के सिद्धान्त तथा हवाई अड्डे के सिद्धान्त की जानकारी हो।
3. स्वीकृत सामग्री से वायुयान की अनुकृति बनाए जो एक न्यूनतम उड़ान भर सके (तीसरी प्रकार की विधि)

ग्लाइडर :

(1) हाथ से संचालित ग्लाइडर को 25 सैकेण्ड तक संचालित करें।
(2) अधिकतम 60 मीटर रस्सी से 45 सैकेण्ड तक रस्से द्वारा खींचे जाने वाले ग्लाइडर को संचालित करें।

वायुयान :

(1) खिंचन शक्ति वाला वायुयान 30 सैकेण्ड चलाना।
(2) इंजन चालित नियंत्रण रस्सी सहित (अधिकतम 15 सैकेण्ड तक मोटर घूमना) 45 सैकेण्ड तक चलाना।

अपनी अनुकृति को बनाकर इसे सुरक्षित उड़ाने, लगभग दो मीटर तक की ऊँचाई की तीन उछाल उड़ान, सुरक्षित उड़ान भरने व उतरने का प्रदर्शन करें।

वन विज्ञ
BACKWOODSMAN

बच्चों को विभिन्न व विकट परिस्थितियों में रहना व जीवन यापन के प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वन विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

बैक वुड्स मैन (वन विज्ञ) : –

(1) स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से दो व्यक्तियों के लिए एक सन्तोषजनक शैल्टर और इसमें कम से कम एक रात अकेला या एक दूसरे स्काउट के साथ सोए जो कि द्वितीय सोपान न हो।
(2) बिना बर्तनों के रात्रि के लिए अपना भोजन बना सके। (दल के शिविर इस परीक्षा के लिए मान्य नहीं है)।
(3) बिना नक्शे या बिना सड़कों की मदद लिए अथवा बिना किसी पूछताछ के अकेला ही किसी अपरिचित क्षेत्र में निश्चित स्थान तक जो शुरू में दिखाई न दे, अपना रास्ता खोजने में अपनी प्रवीणता का परिचय दे।

(I) कम्पास के प्रयोग से दिन में कम से कम 5 कि.मी. की दूरी।
(II) रात में तारों के प्रयोग से 2 कि. मी. तक की दूरी।

(4) प्राइमस स्टोव का प्रयोग करे और दोपहर का अपना भोजन तैयार करें।
(5) पायनियरिंग में तृतीय सोपान तक के स्तर की योग्यता प्राप्त करें।
(6) प्राथमिक सहायता बॉक्स का प्रयोग करना जाने और असुरक्षित पीने के पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जाने और उसे शुद्ध करने की विधि जाने।
(7) अपने क्षेत्र के दो जहरीले साँपों के बारे में जानकारी रखे तथा सर्प–दंश के समय क्या किया जाए, जानें।
(8) पीने के पानी को वाष्पीकरण विधि एकत्रित करने के लिए भमका–भट्टी बनाए और गन्दे पानी को पीने योग्य बनाने के लिए किसी विधि को प्रदर्शित करें।

गतिविधि पञ्चांग

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Integration Camp	10 - 14 May 2026	Ganganagar, West Bengal
National Level Environment Awareness Cum Trekking Programme	15 - 19 May 2026	Jabli, Himachal Pradesh
National Level Disaster Preparedness & Management Training Course	15 - 21 May 2026	Dehradun, Uttarakhand
National Level Youth Leadership Development Seminar	24 - 28 June 2026	NAI Kurseong, Darjeeling
National Level Tribal Scout/Guide/Rover/ Ranger Meet	25 - 29 June 2026	Pine Mount Ridge, Shillong
Nagdwari Trek	10 - 14 August 2026	NAI Pachmarhi, (M.P.)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Scout Jamboree - Bhutan	26 - 30 May 2026	Paro, Bhutan
39th WAGGGS World Conference	14 - 19 June 2026	Siem Reap, Cambodia
International Scout Youth Forum 2026	26 - 28 June 2026	Kowloon, Hong Kong
Turkic Jamboree 2026	15 - 25 July 2026	Istanbul, Turkiye
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
Icelandic International Jamboree 2026	20 - 26 July 2026	Hamrar Outdoor Scout Center
National Jamboree Indonesia 2026	13 - 20 August 2026	Jakarta, Indonesia
Asia-Pacific Workshop on Scouts for SDGs: Empowering NSOs through Education for Sustainable Development (ESD)	05 - 08 September 2026	Hong Kong
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

विविध प्रशिक्षण शिविर

राज्य स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड गाइड प्रमाण पत्र प्रशिक्षण शिविर मण्डल प्रशिक्षण केंद्र देवीकुण्ड सागर, बीकानेर में ध्वजारोहण पर संभागी

अलवर में गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स में ध्वजारोहण पर उपस्थित गाइडर्स

माउंटआबू में स्काउट व रोवर राष्ट्रपति अवार्ड प्रशिक्षण शिविर ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ होते हुए

पंचायती राज राज्यमंत्री राजस्थान सरकार श्री ओटाराम जी देवासी सर्किट हाउस सिरोही में शिष्टाचार भेंट के दौरान स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, सिरोही पर स्टाफ के लिए दो कमरे और बनवाने के लिए बजट स्वीकृति पत्र देते हुए। मंत्री महोदय ने शीघ्र ही 7 लाख रुपये विधायक निधि कोष से स्वीकृत करने का आश्वासन भी दिया।

इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गणपत सिंह देवडा व स्काउटर श्री तोला राम फाचरिया उपस्थित रहे।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/